ज़िला किन्नौर में शिक्षा के पचास वर्ष

1971 से 2021

(वृतचित्र)

***

पवन कुमार गेलोङ

***

कार्यालय- उपनिदेशक उच्च शिक्षा किन्नौर
स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.-172107

ज़िला किन्नौर में शिक्षा के पचास वर्ष

1971 से 2021

(वृतचित्र)

उप-निदेशक उच्च शिक्षा ज़िला किन्नौर हिमाचल प्रदेश

स्थित रिकांग पियो

मार्गदर्शन

बसंत कुमार मुथ्यान

(उप निदेशक उच्च शिक्षा ज़िला किन्नौर हि. प्र.)

***

लेखन, सम्पादन और संकलन

पवन कुमार गेलोङ

(प्रवक्ता अंग्रेजी)

कार्यालय- उपनिदेशक उच्च शिक्षा किन्नौर

स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.-172107

ज़िला किन्नौर - मानचित्र

Courtesy: http://himachalpradeshtravel.com/kinnaur/

विषयवस्तु

दो शब्द

हमारा देश जहां आज़ादी का अमृत महोत्सव माना रहा है, वहीं पचास वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में हमारा प्रदेश स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन कर रहा है। इस मौके पर शिक्षा विभाग उच्चतर ज़िला किन्नौर में भी प्रत्येक विद्यालय में विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर एक पुस्तिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है, जिसमें अब तक शिक्षा के क्षेत्र में हुए विकास को दर्शाया गया है। ज़िला किन्नौर में शिक्षा के अतीत और वर्तमान पर एक वृत चित्र भी बनाई जा रही है। ज़िले में हर 5 से 10 कि. मी. की दूरी पर उच्च और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खोले गए हैं, जिन में 20 उच्च और 32 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हैं। सन 1986 से पहले तक इस ज़िले में स्कूल स्तर पर दसवीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान की जाती थी। उसके पश्चात राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 लागू होने के उपरांत स्कूली स्तर पर बारहवीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान किया जाने लगा और नवीं कक्षा से व्यावसायिक शिक्षा को भी शुरू किया गया। ज़िले में भी सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान और वर्तमान में चल रहे समग्र शिक्षा अभियान ने ज़िले में स्कूलों दशा व दिशा बादल दी है। आज ज़िले के सभी स्कूल में सभी आधारभूत सुविधाएं जैसे, शौचालय, कक्षा-कक्ष, ग्रीन बोर्ड, कंप्यूटर शिक्षा, पीने का पानी, पुस्तकालय, खेल सामग्री इत्यादि उपलब्ध है। कठिन भौगोलिक परिस्थिति के बावजूद भी कोविड महामारी के दौरान लगभग सभी विद्यार्थियों की पढ़ाई ऑनलाइन माध्यमों से करवाई जा रही है, जिसमें हर घर पाठशाला के तहत भी सप्ताह में चार दिन विद्यार्थियों को विषय संबन्धित विषयों की सामग्री भेजी जा रही है और हर पांचवें दिन प्रतियोगिता उत्सव और छठवें दिन को प्रश्नोतरी प्रतियोगिता करवाई जा रही है। वर्तमान में नई शिक्षा नीति लागू की गई है, जिसमें विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा पर ज़ोर दिया जा रहा है जिसमें विद्यार्थी अपने रुचि के अनुसार विषय का चयन कर सकता है।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि नई शिक्षा नीति जो शिक्षा की गुणवत्ता एवं शिक्षक शिक्षा पर केन्द्रित है, इस ज़िले की तस्वीर और तकदीर बदलने में सहायक होगा।

मैं प्रशंसा करना चाहूँगा श्री पवन कुमार गेलोङ प्रवक्ता अँग्रेजी और मेरे कार्यालय के कर्मचारियों के किए गए प्रयासों की, जिन्होंने पूरे मन से इस पुस्तिका को निर्धारित समय पर पूरा करने में योगदान दिया है।

स्थान- रिकांग पियो
दिनांक-20 अक्तूबर, 2021

बसंत कुमार मुथ्यान
उप निदेशक शिक्षा (उच्च)
ज़िला किन्नौर स्थित रिकांग पियो हि.प्र.

प्राक्कथन

स्वतंत्रता पूर्व व पश्चात भारत सरकार ने जब भी साक्षरता के लिए सांख्यिकी ज़िला किन्नौर से ली, उस प्रक्रिया में हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी भाषा के माध्यमों से साक्षर होने के मापदंड को ही अधिकारिक माना गया था। यह एक विसंगति के साथ-साथ गम्भीर त्रुटि भी थी। किन्नौर का उपरला पूह खण्ड जो शत-प्रतिशत बौद्ध है, लगभग 12वीं सदी से ही भोटी भाषा में लिख व पढ सकते थे, क्योंकि उनकी धार्मिक व प्रचलित भाषा भोटी ही थी, अत: लगभग 50% जनसंख्या इस भाषा में साक्षर थे। परम्परागत रुप से प्रत्येक परिवार में कम से कम दो या तीन सदस्य इस भाषा में बौद्ध ग्रंथ पढने व लिखने वाले अनिवार्यतः होते ही थे। साक्षरता व शिक्षा की सांख्यिकी के मापदंडों में भोटी भाषा की अनदेखी ने एक भ्रामक तथ्य रखा और इस उपत्यका की मातृभाषा को सदा के लिए शिक्षा से तटस्थ कर दिया परिणामस्वरूप राज्य व केन्द्रीय सरकारों की इस अनदेखी के कारण शनैः -शनैः इस उपत्यका के ग्रामीण इस भाषा से दूर, निरक्षरों की भीड में सम्मिलित होते गए और उन्हें उर्दू, हिन्दी और अंग्रेजी माध्यमों में ही शिक्षा ग्रहण करनी पडी।

मध्य किन्नौर की धार्मिक भाषा भोटी ही है परन्तु मध्य व निचले किन्नौर के मंदिरों के कर्मचारी पहाडी लिपि टांकरी में साक्षर थे। टांकरी में साक्षरता दर इस खंड में लगभग 3% से अधिक नहीं था, यह लिपि भी साक्षरता के अधिकारिक मापदंडों में सम्मिलित नहीं था, जिस कारण टांकरी लिपि आज लुप्तप्राय है।

आधुनिक शिक्षा की व्यवस्था किन्नौर में मोरावियन मिशिनरिज़ ने वर्ष 1865 में पूह गाँव से तथा व्यवस्थित विद्यालय की व्यवस्था वर्ष 1890 में कल्पा गाँव से की। मोरावियन द्वारा किन्नौर छोडने के पश्चात पूह गाँव के आचार्य थारछेन ने वर्ष 1915 से 1919 तक पूह के फुरंग में विद्यालय जारी रखने का असफल प्रयास किया, तदुपरांत रियायत के राजा पद्मसिंह और फिर दार्जिलिंग वासी श्री रंगरामानुजदास ने आधुनिक शिक्षा की एक व्यवस्थित मार्ग को स्थापित किया।

हिमाचल प्रदेश राज्य के पूर्ण राज्यत्व प्राप्ति के स्वर्ण जयंती के इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रकाशित इस वृत्तचित्र में किन्नौर में शिक्षा क्षेत्र में हुए क्रान्तिकारी उत्थान का सांख्यिकीगत् विवरण है। इस वृतचित्र के लेखन, सम्पादन और संकलनार्थ मार्गदर्शन के लिए, उप निदेशक उच्च शिक्षा ज़िला किन्नौर, श्री बसंत कुमार मुथ्यान, सहयोग के लिए श्री वीरेन्द्र सिंह भंडारी, प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक गणित, रा. मा. विद्यालय कल्पा गांव, श्री प्रीतम नेगी, एम. आई. एस. प्रभारी, ज़िला शिक्षा एवम् प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर, श्री हरीश कुमार सांख्यिकी विभाग किन्नौर, ज़िला शिक्षा एवम् प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर के सभी विभागों के प्रभारी और सभी कर्मचारीगण कार्यालय उपनिदेशक उच्च शिक्षा किन्नौर स्थित रिकांग पियो का हार्दिक आभारी हूँ।

स्थान - रिकांग पियो

दिनांक - 20 अक्तूबर, 2021 **पवन कुमार गेलोङ**

ज़िला किन्नौर का संक्षिप्त परिचय

ज़िला किन्नौर हिमाचल प्रदेश के उत्तर पूर्व में 31°05'50" और 32°05'15" उत्तरीय अक्षांश तथा 77°45'00" और 79°00'35" पूर्वी देशान्तर के मध्य संकीर्ण पर्वतीय घाटियों के मध्य सतलुज नदी के दोनों ओर स्थित है। पूर्व में चीन (स्वायत्त राष्ट्र तिब्बत), दक्षिण में उत्तराखंड राज्य, दक्षिण-पश्चिम में शिमला, पश्चिम में कुल्लू और उत्तर में लाहौल-स्पीती ज़िला की सीमाएं किन्नौर से लगती हैं। तीन प्रशासनिक खण्ड, पूह, कल्पा, और निचार हैं। सुमरा से खाब संगम तक के स्पीती नदी के उपत्यका हंगरंग उप तहसील, खाब स्पीती - सतलुज संगम बिंदु से श्यासो - सतलुज संगम तक उपरला किन्नौर और श्यासो – सतलुज संगम से किरंग-सतलुज संगम तक, मध्य किन्नौर है। ये दोनों ही घाटियाँ पूह तहसील में आती हैं। हंगरंग और उपरला पूह भोटी भाषी और बौद्ध है, जबकि निचला पूह बौद्ध और शू-आस्था का सम्मिश्रण है। यहाँ की भाषा तिब्बत-बर्मन परिवार से है, जबकि निचले पूह के नेसंग और कुन्नु चारंग भी भोटी भाषी व बौद्ध हैं। किरंग से छू-थार तक मूरंग तहसील, छू-थार से रोघी धार तक कल्पा तहसील किल्बा से छितकुल बसपा उपत्यका सांगला तहसील, रुनंग से कागस्थल तक टापरी उप तहसील और होमते भावा घाटी से चौरा तक निचार तहसील में सम्मिलित हैं। यहाँ की भाषा भी तिब्बत-बर्मन परिवार से है, यद्यपि मध्य किन्नौर की भाषा से सहस्रोत है परन्तु, क्रिया-भेद में भिन्नताएँ हैं। किन्नौरा जनजाति के कई समूहों में से एक इंडो-आर्यन प्रजातीय समूह की भाषा इंडो-आर्यन परिवार से है। मूरंग, कल्पा, सांगला और निचार तहसील के इस इंडो-आर्यन प्रजातीय समूह की भाषा में तिब्बत-बर्मन भाषा-स्रोत सम्मिलित नहीं है। कल्पा, सांगला और निचार तहसीलें निचले किन्नौर की परिभाषा में आते हैं। किन्नौरा जनजाति की सभी जनजातीय समूह अपने अपने सामाजिक अनुक्रम, आस्था और परम्पराओं का निर्वाहन करते हुए परस्पर सम्मान और सामजिक समरसता को अक्षुण्ण बनाए रखते हैं, दुर्भाग्य से गैर-किन्नौरा लेखक इस सामाजिक विविधता को जातीय भेद के रूप में देखते हैं, जिससे सामाजिक संतुलन में विकार आ रहा है।

रि-पुरयुल नाको किन्नौर

किन्नौर का इतिहास तीन मुख्य भागों में विभाजित है, 12वीं सदी से पूर्व जिसका कोई लिखित विवरण नहीं है, 12 वीं सदी से 14 सदी जिसका इतिहास दंतकथाओं के आधार पर वैज्ञानिक व ऐतिहासिक मापदंडों पर अध्ययन किया जा सकता है और 14 वीं सदी से 1947 तक का कामरू - रामपुर बुशहर रियासत। किन्नौर के विभिन्न ग्रामों से प्राप्त प्राक-ऐतिहासिक कंकालों व उनकी स्थिति से यह निश्चित है कि लगभग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के किन्नौर निवासी वर्तमान किसी भी कनौरा जनजातीय समूहों और उप-समूहों के पूर्वज नहीं थे। किन्नौर के सभी गाँव घाटियों और

नदियों के तट पर बसे हैं और भिन्न भिन्न जनजातीय समूहों में विभक्त हैं, इसलिए सीमावर्ती भोट देश के व्यापारी व धर्म गुरु व किन्नौरे इस प्रान्त को खुनु नाम से जानते थे। किन्नौर ज़िला का अस्तित्व 1 मई 1960 को हिमाचल के छठे ज़िला के रूप में आया, तबतक किन्नौर वासी अपने प्रान्त को खुनु नाम से ही जानते थे। मध्य व निचले किन्नौर की भाषाई अनुशासन में खुनु शब्द का उच्चारण खुनौरिंग या कुनौरिंग था जबकि किन्नौर के बाहर के निवासी खुनौरिंग या कुनौरिंग का उच्चारण कुनोर, कुनावर, कुनावुर और कनोर किया करते थे। वर्ष 1948 में एक प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान पंडित राहुल सांस्कृत्यायन किन्नौर में मई से अगस्त माह तक एक राजकीय अतिथि थे, उन्होंने अपनी यात्रा वृतांत, "किन्नर देश में" का प्रकाशन वर्ष 1948 में किया, जिसमें उन्होंने खुनु निवासियों को नाम के अपभ्रंशों, सांस्कृतिक, भाषाई और आस्था के विलक्षणता के आधार पर पौराणिक किन्नर से सम्बन्ध जोड़ दिया, यद्यपि यह सम्बन्ध शतप्रतिशत एक व्यक्तिगत अवधारणा के अतिरिक्त कुछ भी न था। किन्नर एक पौराणिक व तांत्रिक प्रजाति है जिसका इस पृथ्वी पर कभी भी भौतिक अस्तित्व न था। किन्नौर का अपना एक स्वतंत्र इतिहास व गरिमा है, जिसके लिए किसी पौराणिक सन्दर्भों की कोई अपरिहार्यता नहीं है। आज भी परंपरा और सभी किन्नौरी भाषाओं में किन्नौर को, पूह प्रशासनिक खंड में खुनु, कल्पा और निचार खंड में खुनौरिंग या कुनौरिंग ही कहा जाता है।

किन्नौर में चिर काल से प्रजातीय, भाषाई, सांस्कृतिक व आस्था के आधार पर दस से अधिक जनजातीय समूह रह रहीं है, जिसे संयुक्त रूप से भारतीय संविधान ने 29 अक्तूबर, 1956 को अनुसूचित जनजाति कनौरा या किन्नर घोषित किया। किन्नर शब्द तथ्यात्मक नहीं था, जिस पर पंडित राहुल सांस्कृत्यायन का प्रभाव स्पष्ट था क्योंकि उनकी पुस्तक पांच प्रतिशत शिक्षित किन्नौरा पाठकों के लिए अकाट्य वेद वाक्य थे। समांतरत: किन्नौर से बाहर के विद्वान निरंतर किन्नौर भ्रमण कर पौराणिक किन्नर को स्थापित करते रहे और, किन्नौर के नवोदित विद्वान भी इस अवधारणा को अपना सौभाग्य जान कर उनका समर्थन करते रहे। आश्चर्य जनक रूप से किसी भी विद्वान ने पुरातात्विक मापदंडों पर इस अवधारणा पर कोई अध्ययन नहीं किया। दिनांक 18 सितम्बर, 1976 के संवैधानिक राजपत्र में कनौरा या किन्नर शब्दों में प्रयुक्त 'या' शब्द को 'अर्धविराम' चिह्न से प्रतिस्थापित किया गया अर्थात किन्नर, कनोरा से भिन्न है, वास्तव में किन्नर का अस्तित्व ही नहीं है।

किन्नौर - आधुनिक शिक्षा की यात्रा

आधुनिक औपचारिक शिक्षण कार्य का आरम्भ सर्वप्रथम वर्ष 1865 में मोरावियन मिशिनरिस ने किन्नौर के पूह गाँव में तथा वर्ष 1890 में चीनी गाँव में किया। यद्यपि उनका मुख्य उद्देश्य ईसाई धर्म था, जिसमें वे सफल नहीं हुए परन्तु उन्होंने किन्नौर में सर्वप्रथम आधुनिक शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा की नींव रखी।

*मुख्य भवन मोरवियन मिशीनरिज पूह, फुरंग किन्नौर हि.प्र. 19वीं सदी के अंतिम वर्षों में****

मोरावियन मिशिनारिस ने वर्ष 1918 में किन्नौर सदा के लिए छोड़ दिया। मोरावियन द्वारा शिक्षित पूह गाँव के मणि पारंग परिवार के श्री दोर्जे थारछेन (1890-1976) जिन्हें आचार्य थारचेन, गेगन दोर्जे थारचेन और बाबू थारचेन के नाम से भी जाना जाता है, ने वर्ष 1920 में किन्नौर से प्रस्थान कर शिमला वहां से फिर दार्जिलिंग राज्य चले गए।

*स्थानीय मोरावियन संघ पूह किन्नौर (बाईं ओर से- अर्न्स्ट राइनहोल्ड शनाबेल, उनकी पत्नी और उनकी बेटी एलसा और केथरीना रीस कुनिक) वर्ष 1905***

उन्होंने विश्व का प्रथम तिब्बती समाचार पत्र "तिब्बत-मिरर" (1925-1963) का प्रकाशन व संपादन किया और वे दलाई लामा 13वें और 14वें के निकटतम व्यक्तियों में से एक थे। चीन का तिब्बत पर अनाचार जैसे विषयों पर वे निडर होकर लिखते रहे, इसलिए 1940-1960 तक वैश्विक राजनीतिज्ञों की दृष्टि में वे एक साहसिक व संवेदनशील पत्रकारों में से एक थे। चीन द्वारा प्रलोभन और धमकी दिए जाने के उपरान्त भी वे निष्पक्ष होकर लिखते रहे। किन्नौर के इतिहास में वे प्रथम पत्रकारिता के सम्पादक व लेखक थे।

*श्री आचर्य दोर्जे थारछेन (1890-1976)****

किन्नौर के शिक्षा इतिहास में उन्होंने सर्वप्रथम कहा था कि यहाँ की मातृ भाषा भोटी को ही प्राथमिक कक्षाओं में माध्यम होना चाहिए और इस प्रयोजन हेतु उन्होंने पाठ्य पुस्तक भी लिखे और वर्ष 1915-1919 में पूह गाँव के फुरंग में स्थित मिशिनरिज़ भवन में पाठशाला भी खोले परन्तु स्थानीय ग्रामीण प्रशासकों और बौद्ध भिक्षुओं की उदासीनता और असहमति के कारण पाठशाला को बंद करना पड़ा।

वर्ष 1918 में किल्बा और 1934 में कानम और 1936 में पूह गाँव में राजा पद्मसिंह ने प्राथमिक विद्यालय खोले। पूह गाँव के प्राथमिक विद्यालय में नामांकन, शिक्षकों का अभाव और ग्रामीण प्रशासकों की उदासीनता के कारण दो तीन वर्षों में ही विद्यालय बंद हो गया और वर्ष 1938 में हांगो में अस्थाई पाठशाला की स्थापना हुई, जिसे मोने-रौला ने रियासत से 1946 में स्वीकृत भी करवाया, जहाँ वे ग्रीष्मकाल में स्वयं पढाया करते थे। कानम के प्राथमिक विद्यालय में प्रथम अध्यापकों में स्थानीय श्री कान्त सिंह और श्री छेरिंग जीत थे। उसी काल खंड में रारंग गाँव के श्री रामजी लाल रामपुर बुशहर में मुख्य अध्यापक के पद पर कार्यरत थे, और वे राजा वीर भद्र सिंह के प्रथम शिक्षकों में से एक थे। तदुपरांत एक वैष्णव सन्यासी श्री रविलाल जिनका दीक्षित नाम रंगरामानुजदास, दार्जिलिंग निवासी जिसे किन्नौर में मोने रौला के नाम से जाना जाता था, ने ज़िला किन्नौर में कई प्राथमिक पाठशालाओं की स्थापना की। दुर्भाग्य से उस महान व्यक्ति को किन्नौर ने विस्मृत कर दिया। कामरू और सांगला गाँव में पठन पाठन और शब्द ज्ञान को सार्वजनिक करने में उनका योगदान किन्नौर के इतिहास में अमिट है। उन्होंने कई गाँव में अस्थाई आश्रम खोले जहाँ वे वर्णमाला सिखाते। राजा पद्मसिंह ने भी एक बार उनके इस कल्याणकारी कार्य के लिए 1200 रूपये दान में दिए, परन्तु यह अपर्याप्त था इसलिए स्थानीय लोगों के उपदानों से वे शिक्षकों को वेतन देते थे और शिक्षक न मिलने पर वे स्वयं पढ़ाया करते थे। उनके निस्वार्थ कर्तव्यनिष्ठा का प्रमाण यह था कि हांगो जैसे दुर्गम

*केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला कल्पा गाँव किन्नौर (स्थापना-1890 इस्वी)****

और दूरस्थ गाँव में स्वयं पढाया करते थे। विद्यालय भवन निर्माण के लिए वे अपनी पीठ पर पत्थर ढोते और उनसे प्रेरित हो कर स्थानीय ग्रामीण भी श्रमदान दिया करते थे। उन्होंने मूरंग में वर्ष 1943, हांगो में वर्ष 1946, और ग्याबुंग में वर्ष 1947, में प्राथमिक विद्यालय खोले और रियासत से स्वीकृत भी करवाया। सभी विद्यालय आरम्भिक चरणों में मात्र छात्रों के लिए ही थे। मोने रौला ने सभी विद्यालयों में उर्दू के स्थान पर हिंदी माध्यम को प्राथमिकता दी और वे अपने इस परार्थ में सफल रहे। वर्ष 1971 में हिमाचल प्रदेश एक पूर्ण राज्य बना उस समय राज्य की साक्षरता दर पुरुष 11.94% स्त्री 4.02% और औसत 7.98% थी, वहीं ज़िला किन्नौर की साक्षरता दर कुल औसत 27.7% थी। उस समय किन्नौर में कुल आठ उच्च विद्यालय हुआ करते थे। उसी वर्ष, 79 प्राथमिक, 16 माध्यमिक और 8 उच्च विद्यालयों में क्रमशः1975, 971, 1280 और कुल 4226 विद्यार्थी अध्ययन किया करते थे, तत्कालीन जनसंख्या के अनुपात में यह संख्या किन्नौर में शैक्षणिक जागृति की राज्य में अग्रणीय अवस्था को दर्शाता है। इस ज़िला के दुर्गमतम् पूह व हंगरंग उपत्यका में शिक्षा के प्रति जनसंख्या के अनुपात जागृति व समर्पण सर्वाधिक रहा।

*महाराजा पद्म सिंह अपने पुत्र राजकुमार राजेंद्र सिंह और राजा वीरभद्र सिंह के साथ****

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पूह किन्नौर

कुल उच्च विद्यालय वर्ष 1971*

क्रम संख्या	उच्च विद्यालय का नाम	स्थापना वर्ष	तहसील
1.	राजकीय उच्च विद्यालय-पूह	1962	पूह
2.	राजकीय उच्च विद्यालय-कानम	1961	मूरंग
3.	राजकीय उच्च विद्यालय-रिब्बा	1968	मूरंग
4.	राजकीय उच्च विद्यालय-मूरंग	1969	मूरंग
5.	राजकीय उच्च विद्यालय-कल्पा	1952	कल्पा

6.	राजकीय उच्च विद्यालय-सांगला	1967	सांगला
7.	राजकीय उच्च विद्यालय-उरनी	1970	निचार
8.	राजकीय उच्च विद्यालय-निचार	1964	निचार

स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1971 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.

कुल विद्यालयों की संख्या वर्ष 1971*

वर्ष	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च विद्यालय	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय	कुल विद्यालय	तहसील
1968-69	14	3	1	0	18	पूह
1969-70	14	3	1	0	18	पूह
1970-71	14	3	1	0	18	पूह
1971-72	15	3	1	0	19	पूह
1968-69	14	3	2	0	19	मूरंग
1969-70	14	2	3	0	19	मूरंग
1970-71	13	3	3	0	19	मूरंग
1971-72	12	3	3	0	18	मूरंग
1968-69	14	1	1	0	16	कल्पा
1969-70	13	2	1	0	16	कल्पा
1970-71	14	2	1	0	17	कल्पा
1971-72	14	3	1	0	18	कल्पा
1968-69	11	3	1	0	15	सांगला
1969-70	11	3	1	0	15	सांगला
1970-71	11	3	1	0	15	सांगला
1971-72	11	3	1	0	15	सांगला
1968-69	27	4	1	0	32	निचार
1969-70	26	5	1	0	32	निचार
1970-71	27	4	2	0	33	निचार
1971-72	27	4	2	0	33	निचार
कुल योग-ज़िला किन्नौर में विद्यालयों की संख्या						
1968-69	80	14	6	0	100	कुल सभी तहसील
1969-70	78	15	7	0	100	
1970-71	79	15	8	0	102	
1971-72	79	16	8	0	103	

स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1971 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.

अध्यापकों की संख्या 1971*

सत्र	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च विद्यालय	कुल
1968-69	148	79	74	301
1969-70	135	86	75	296
1970-71	162	92	76	330
1971-72	162	93	76	331

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1971 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

विद्यार्थियों की संख्या1971*

सत्र	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च विद्यालय	कुल
1968-69	1725	707	1046	3478
1969-70	1863	770	1017	3650
1970-71	1832	812	1198	3842
1971-72	1975	971	1280	4226

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1971 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

किन्नौर के अधिकांश गाँव यातायात की सुविधा से वंचित थे, दुर्गम मार्गों से विद्यार्थियों को पैदल ही विद्यालय जाना पड़ता था, यह किसी साहसिक कार्य से कदापि कम न था। आज की पीढ़ी पर्वतीय दुष्कर मार्गों से परिचित नहीं है, इसलिए यह अनुमान लगाना कठिन है कि शिक्षा के लिए उनके पूर्वजों ने साधना की थी। उनके लिए शिक्षा की अपरिहार्यता एक दिव्य साधना थी न कि एक अनिवार्य सुविधा।

वर्ष 1962 में चीन ने हमारे देश पर आक्रमण किया जिसमें हम कुछ लद्दाखी पर्वतीय क्षेत्रों में विफल रहे, इसलिए तत्कालीन भारत सरकार ने किन्नौर के इस दुर्गम व दुष्कर ज़िला में युद्ध स्तर पर सड़क निर्माण किया। राजनैतिक, सैनिक और सामाजिक सुरक्षा चक्र का यह निर्माण शिक्षा के लिए वरदान बन कर आया क्योंकि गिने चुने विद्यालय अब सड़कों के बहुत समीप आ गए थे। सीमावर्ती इस ज़िला में शिक्षा की अनिवार्यता सरकार की आवश्यकता थी ताकि यह जनजातीय समाज भारत की मुख्यधारा में सम्मिलित हो सके। सांस्कृतिक विपुलता के विपरीत जनजातीय समाज आधुनिक शब्दावली में अधिकांश जनसंख्या अभावग्रस्त थे, इसीलिए बच्चों को विषमताओं से जूझते अधिकांश ग्रामीणों के लिए विद्यालय सार्थक न था। अस्सी के दशक में सडक निर्माण और विद्यालयों की संख्या में वृद्धि ने, अभावग्रस्त परिवारों को भी शिक्षा के लिए आकर्षित किया। वर्ष 1981 में 136 प्राथमिक, 19 माध्यमिक विद्यालय और 8 उच्च विद्यालय से 15 उच्च विद्यालय हो गए। इस विद्यालयों में क्रमशः 5271, 2170, 542 और कुल 7983 विद्यार्थी अध्ययनरत् थे। मात्र एक दशक में 3757 विद्यार्थियों की वृद्धि, शिक्षा की किन्नौर में द्रुत यात्रा का प्रमाण है।

विद्यालयों की संख्या वर्ष 1981*

कुल योग-ज़िला किन्नौर में विद्यालयों की संख्या						
वर्ष	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च विद्यालय	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय	कुल विद्यालय	तहसील
1975-76	91	19	10	0	120	कुल सभी तहसील
1976-77	91	19	10	0	120	
1977-78	96	19	11	0	126	
1978-79	100	19	12	0	131	
1979-80	100	19	13	0	132	
1980-81	134	19	14	0	167	
1981-82	136	19	15	0	170	

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1981 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

उच्च विद्यालयों की संख्या वर्ष 1981*

(दिनांक-31.12.1982 के अनुसार)

क्रम संख्या	उच्च विद्यालय का नाम	स्थापना वर्ष	तहसील
1.	राजकीय उच्च विद्यालय-लियो	1977	हंगरंग
2.	राजकीय उच्च विद्यालय-पूह	1967	पूह
3.	राजकीय उच्च विद्यालय-ग्याबुंग	1981	पूह
4.	राजकीय उच्च विद्यालय-कानम	1961	मूरंग
5.	राजकीय उच्च विद्यालय-रिब्बा	1961	मूरंग
6.	राजकीय उच्च विद्यालय-मूरंग	1969	मूरंग
7.	राजकीय उच्च विद्यालय-कल्पा	1952	कल्पा
8.	राजकीय उच्च विद्यालय-सापनी	1979	सांगला
9.	राजकीय उच्च विद्यालय-किल्बा	1974	सांगला
10	राजकीय उच्च विद्यालय-सांगला	1967	सांगला
11	राजकीय उच्च विद्यालय-रक्छम	1981	सांगला
12	राजकीय उच्च विद्यालय-उरनी	1970	निचार
13	राजकीय उच्च विद्यालय-कटगाँव	1973	निचार
14	राजकीय उच्च विद्यालय-निगुलसरी	1969	निचार
15	राजकीय उच्च विद्यालय-निचार	1964	निचार

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1981 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

अध्यापकों की संख्या वर्ष 1981*

सत्र	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च और वरिष्ठ विद्यालय	कुल
अध्यापकों की संख्या				
1977-78	128	131	120	379
1978-79	161	139	141	441
1979-80	155	119	132	406
1980-81	216	98	121	435
1981-82	257	110	128	495

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1981 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

विद्यार्थियों की संख्या वर्ष 1981*

सत्र	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च और वरिष्ठ विद्यालय	कुल
1977-78	4447	1055	320	5822
1978-79	4525	996	319	5840
1979-80	5996	1607	404	8007
1980-81	5998	1680	445	8123
1981-82	5271	2170	542	7983

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1981 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

वर्ष 1991 तक किन्नौर के अधिकांश गाँव सडकों से जुड़ चुके थे। विद्यालय की सुगमता ने विद्यार्थियों के नामांकन व ठहराव में उछाल आया।नब्बे के आरंभिक वर्षों में 162 प्राथमिक, 27 माध्यमिक, 24 उच्च, 2 वरिष्ठ माध्यमिक और कुल 215 विद्यालयों में कुल 12273 शिक्षार्थी अध्ययनरत् थे। विद्यार्थियों का नामांकन एक दशक में 4290 हुआ। निरंतर जन याचनाओं के परिणामस्वरूप वर्ष 1986 में हिमाचल प्रदेश सरकार ने कल्पा उच्च विद्यालय को स्तरोन्नत कर किन्नौर का प्रथम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बनाया गया और 1989 में द्वितीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पूह उच्च विद्यालय का स्तरोन्नत कर स्थापित किया गया। इन विद्यालयों की स्थापनाओं ने किन्नौर के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का स्वप्न साकार किया।

विद्यालयों की संख्या वर्ष 1991*

वर्ष	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च विद्यालय	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय	कुल विद्यालय	तहसील
1983-84	141	19	17	0	177	कुल सभी तहसील
1984-85	144	19	18	0	181	
1985-86	144	20	20	0	184	
1986-87	148	21	18	1	188	
1987-88	151	21	20	0	192	

1988-89	153	30	22	0	205	
1989-90	159	28	22	1	210	
1990-91	162	27	24	0	213	

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1991 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

अध्यापकों की संख्या वर्ष 1991*

सत्र	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च और वरिष्ठ विद्यालय	कुल
1985-86	274	115	147	536
1986-87	277	104	158	539
1987-88	279	120	178	577
1988-89	315	156	186	657
1989-90	349	159	180	688
1990-91	349	135	186	670

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1991 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

विद्यार्थियों की संख्या वर्ष 1991*

सत्र	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च और वरिष्ठ विद्यालय	कुल
1985-86	8201	2799	756	11756
1986-87	7956	3151	542	11649
1987-88	8128	3322	1059	12509
1988-89	6946	1175	2223	10344
1989-90	7040	1169	3081	11290
1990-91	7141	1246	3886	12273

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 1991 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

शैक्षणिक सत्र 2001-02 में किन्नौर में 189 प्राथमिक, 33 माध्यमिक, 37 उच्च और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्थापित थे, क्रमशः 8390, 4295, 3421 और कुल 16106 शिक्षार्थी नामांकित थे। विगत् दशक की तुलना में 3833 शिक्षार्थी विद्यालयों में नामांकित थे। वर्ष 2002 से सर्व शिक्षा अभियान की यात्रा आरम्भ हुई, इस अभियान के निहित उद्देश्य के क्रियान्वयन के अंतर्गत अधिकतर प्राथमिक और माध्यमिक पाठशालाओं के चिर वांछित आधारभूत संरचनाओं का उत्थान हुआ। इस अभियान ने दिव्यांग विद्यार्थियों को भी समावेशी शिक्षा की सार्वभौमिक अवधारणा के अंतर्गत सामान्य विद्यालयों से जोड़ा और उन के प्रति सामाजिक और मानसिक भेदभाव को समाप्त करने का एक मानवीय पहल आरम्भ किया। विद्यालयों का कायांतरण हुआ, अधिकतर माध्यमिक विद्यालय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का ही अंग होता है, अत: विद्यालय परिसर के कायांतरण से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का भी उत्थान हुआ।

विद्यालयों की संख्या वर्ष 2001*

वर्ष	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च और वरिष्ठ विद्यालय	कुल विद्यालय
1994-95	163	28	26	217
1995-96	174	28	27	229
1996-97	181	28	28	237
1997-98	188	28	34	250
1998-99	189	30	36	255
1999-00	189	29	37	255
2000-01	189	33	37	259
2001-02	189	33	37	217

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 2001 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

अध्यापकों की संख्या वर्ष- 2001*

सत्र	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च और वरिष्ठ विद्यालय	कुल
1994-95	365	168	274	807
1995-96	383	180	278	841
1996-97	398	171	283	852
1997-98	401	125	245	771
1998-99	414	130	264	808
1999-00	491	171	500	1162
2000-01	537	161	510	1208
2001-02	458	125	487	1070

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 2001 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

विद्यार्थियों की संख्या वर्ष- 2001*

सत्र	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च और वरिष्ठ विद्यालय	कुल
1994-95	9497	4561	3537	17595
1995-96	9418	5475	3983	18876
1996-97	9442	4534	4656	18632
1997-98	8360	5553	2982	16895
1998-99	9037	4838	2564	16439
1999-00	8946	4651	3134	16731
2000-01	7887	4596	3292	15775
2001-02	8390	4295	3421	16106

**स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 2001 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.*

विद्यालयों की संख्या वर्ष 2011*

वर्ष	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च विद्यालय	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय	कुल विद्यालय
2011-12	186	34	21	27	268

स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 2011 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.

अध्यापकों की संख्या वर्ष- 2011

सत्र	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च और वरिष्ठ विद्यालय	कुल
2002-03	488	162	396	1046
2003-04	324	156	439	919
2004-05	409	153	430	992
2005-06	472	151	361	984
2006-07	472	145	568	1185
2007-08	474	119	414	1007
2008-09	490	116	478	1084
2009-10	532	119	439	1090
2010-11	439	175	543	1157
2011-12	494	124	527	1145

स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 2011 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.

विद्यार्थियों की संख्या वर्ष -2011*

सत्र	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च और वरिष्ठ विद्यालय	कुल
2002-03	7439	4496	3637	15572
2003-04	7985	4550	3417	15952
2004-05	7671	4725	4119	16515
2005-06	7326	4868	3884	16078
2006-07	7125	4560	3884	15569
2007-08	6621	3884	3490	13995
2008-09	6448	3861	4000	14309
2009-10	5904	3811	3857	13572
2010-11	5700	3693	3408	12801
2011-12	4622	3288	3077	10987

स्रोत-जनगणना सांख्यिकी 2011 कार्यालय स्थित रिकांग पियो किन्नौर हि.प्र.

विद्यालयों की संख्या वर्ष 2021*

वर्ष	प्राथमिक विद्यालय	माध्यमिक विद्यालय	उच्च विद्यालय	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय	कुल विद्यालय
2012-13	184	35	21	27	267
2013-14	184	36	19	31	270
2014-15	182	36	19	31	268
2015-16	183	36	19	31	269
2016-17	183	36	18	32	269
2017-18	180	34	20	32	266
2018-19	179	33	20	32	264
2019-20	174	32	20	32	258
2020-21	172	31	20	32	255
2021-22	172	31	20	32	255

**ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर स्थित रिकांग पियो हि.प्र.*

किन्नौर के सभी विद्यालयों में नामांकन वर्ष 2011 से 2020 तक*

वर्ष	कक्षा-5			कक्षा 6-8			कक्षा 9-10			कक्षा 11-12			कुल		
	छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल
2012	2368	2507	4875	1401	1645	3046	1040	1127	2167	659	771	1430	5468	6050	11518
2013	2124	2220	4344	1354	1567	2921	960	1058	2018	635	759	1394	5073	5604	10677
2014	1952	1991	3943	1217	1440	2657	908	1059	1967	680	728	1408	4757	5218	9975
2015	1870	1866	3736	1196	1345	2541	864	991	1855	678	740	1418	4608	4942	9550
2016	1753	1750	3503	1113	1210	2323	798	913	1711	651	686	1337	4315	4559	8874
2017	1655	1661	3316	1028	1081	2109	781	860	1641	612	704	1316	4076	4306	8382
2018	1655	1679	3334	917	979	1896	737	811	1548	539	603	1142	3848	4072	7920
2019	1533	1619	3152	853	902	1755	714	723	1437	455	502	957	3555	3746	7301
2020	1454	1530	2984	804	875	1679	694	653	1347	427	507	934	3379	3565	6944

**ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर स्थित रिकांग पियो हि.प्र.*

यु-डाइस प्लस विश्लेषण- वर्ष 2020
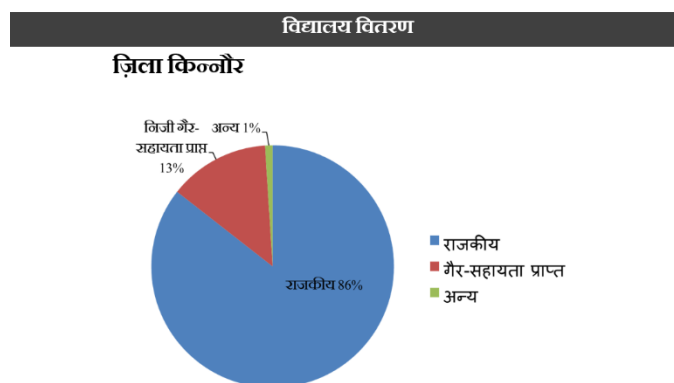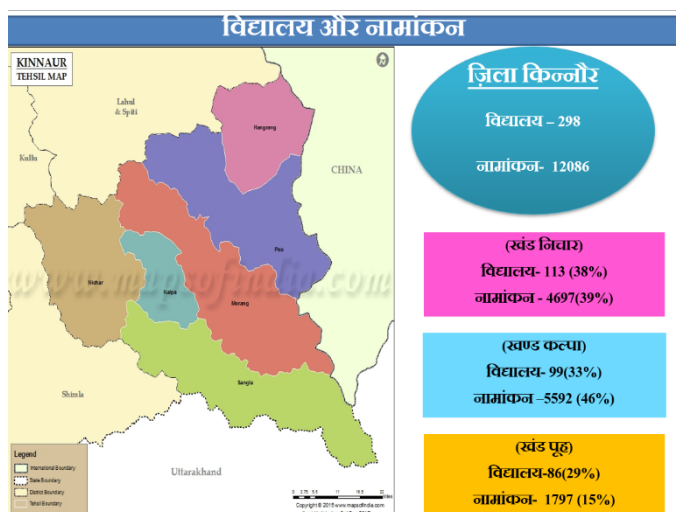
स्रोत -ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर स्थित रिकांग पियो

विद्यालयों की संख्या और वितरण तालिका

खंड	राजकीय			निजी गैर-सहायता प्राप्त			अन्य (के.वि./न.वि./ए.वि.)			कुल		
	2019	2020	अंतर	2019	2020	अंतर	2019	2020	अंतर	2019	2020	अंतर
निचार	100	98	**-2**	14	14	0	01	01	**0**	**115**	**113**	**-2**
कल्पा	78	78	**0**	22	19	**-3**	02	02	**0**	**102**	**99**	**-3**
पूह	80	79	-1	07	07	**0**	0	0	**0**	**87**	**86**	**-1**
कुल	**258**	**255**	**-3**	**43**	**40**	**-3**	**03**	**03**	**0**	**304**	**298**	**-6**

स्रोत -ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर स्थित रिकांग पियो

नामांकन सभी प्रबंधन (यु-डाइस प्लस-2020 के अनुसार)

खंड	प्राथमिक (कक्षा 1-5)	उच्च प्राथमिक (कक्षा 6-8)	उच्च (कक्षा 9-10)	वरिष्ठ (कक्षा 11-12)	कुल
निचार	2138	1164	821	574	4697
कल्पा	2605	1413	881	693	5592

पूह	883	418	301	195	1797
कुल	**5626**	**2995**	**2003**	**1462**	**12086**

स्रोत -ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर स्थित रिकांग पियो

राजकीय विद्यालय

खंड	प्राथमिक	माध्यमिक	उच्च	वरिष्ठ	कुल
निचार	66	13	11	08	98
कल्पा	52	10	02	14	78
पूह	54	08	07	10	79
कुल	**172**	**31**	**20**	**32**	**255**

स्रोत -ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर स्थित रिकांग पियो

नामांकन राजकीय विद्यालय (यु-डाइस प्लस- 2020 के अनुसार)

खंड	प्राथमिक	माध्यमिक	उच्च	वरिष्ठ	कुल
निचार	1197	614	512	278	2601
कल्पा	1188	671	534	461	2854
पूह	599	394	301	195	1489
कुल	**2984**	**1679**	**1347**	**934**	**6944**

स्रोत -ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर स्थित रिकांग पियो
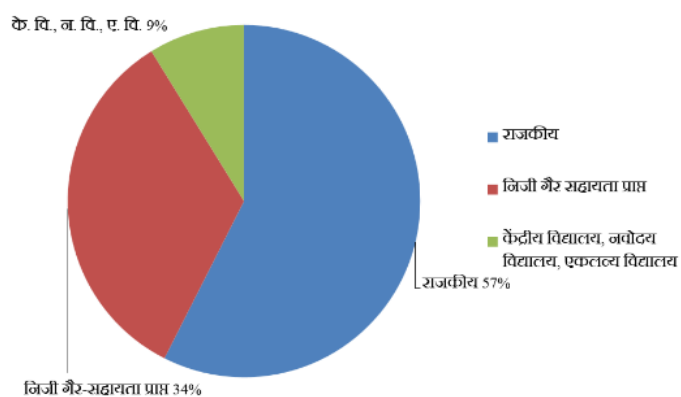
आधारभूत सुविधाएँ

कुल विद्यालय	प्राथमिक		माध्यमिक		उच्च		वरिष्ठ	
	172		**31**		**20**		**32**	
सुविधाएँ	उपलब्ध	अनुपलब्ध	उपलब्ध	अनुपलब्ध	उपलब्ध	अनुपलब्ध	उपलब्ध	अनुपलब्ध
सीमा प्राचीर	161	**-11**	25	**-6**	17	**-3**	26	**-6**
पेय जल	172	0	31	0	20	0	32	0
शौचालय (छात्र)	168	-4	31	0	20	0	32	0
शौचालय (छात्रा)	172	0	31	0	20	0	32	0
विद्युत् आपूर्ति	170	**-2**	31	0	20	0	32	0
पुस्तकालय	156	**-16**	25	**-16**	17	**-3**	31	**-1**
क्रीडा स्थल	132	**-40**	28	**-3**	18	**-2**	31	**-1**
दिव्यंगों के लिए पथ (रैंप)	136	**-36**	23	**-8**	18	**-2**	27	**-5**
स्वास्थ्य जाँच	118	**-54**	21	**-10**	12	**-8**	17	**-15**
संगणक	57	**-115**	27	**-4**	17	**-3**	32	0
इन्टरनेट	5	**-167**	3	**-28**	11	**-9**	23	**-9**
शौचालय (दिव्यांग)	6	**-166**	0	**-31**	2	**-18**	4	**-28**

स्रोत -ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर स्थित रिकांग पियो

अनुपात

खंड	अध्यापकों की संख्या				छात्र अध्यापक अनुपात			
	प्राथमिक	उच्च प्राथमिक	उच्च	वरिष्ठ	प्राथमिक	उच्च प्राथमिक	उच्च	वरिष्ठ
निचार	150	118	66	53	7.98	5.20	7.75	5.24
कल्पा	136	108	73	80	8.73	6.21	7.31	5.76
पूह	114	95	72	70	5.25	4.14	4.18	2.78
कुल	**400**	**321**	**211**	**203**	**7.46**	**5.23**	**6.38**	**4.60**

स्रोत -ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर स्थित रिकांग पियो

सर्व शिक्षा अभियान

ज़िला किन्नौर में सर्व शिक्षा अभियान का वर्ष 2002 से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य सार्वभौमिक सुलभता एवं प्रतिधारण, प्रारंभिक शिक्षा में बालक-बालिका एवं सामाजिक श्रेणी के अंतरों को दूर करने तथा अधिगम की गुणवत्ता में सुधार हेतु विविध अंत:क्षेपों में अन्य विषयों के साथ-साथ नए विद्यालय खोला जाना तथा वैकल्पिक विद्यालय सुविधाएं प्रदान करना, विद्यालयों एवं अतिरिक्त कक्षा-कक्षों का निर्माण किया जाना, शौचालयों एवं पेयजल सुविधा प्रदान करना, अध्यापकों का प्रावधान करना, नियमित अध्यापकों का सेवा कालीन प्रशिक्षण तथा अकादमिक संसाधन सहायता, नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकें एवं वर्दियां तथा अधिगम स्तरों/ परिणामों में सुधार हेतु सहायता प्रदान करना सम्मिलित है।

सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत किन्नौर के प्राथमिक से माध्यमिक स्तर के विद्यालयों का कायाकल्प हुआ। भवन, शौचालय, पेयजल, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए रैम्प और हेंडरेल्स, कम्प्यूटर आदि से एक अभावग्रस्त विद्यालयों को सम्पन्न और सशक्त विद्यालयों में परिवर्त किया गया; यह आधुनिक शिक्षा के इतिहास में निःसंदेह एक क्रांतिकारी पग था। आज वर्तमान परिदृश्य में किन्नौर के एक विद्यालय के अतिरिक्त कोई भी विद्यालय ऐसा नहीं है, जहाँ विद्यालय भवन नहीं है। वर्ष 2002 से 2021 तक माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के आधारभूत संरचना के लिए ₹ 882.26 लाख व्यय किए जा चुके हैं।

सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत अनारक्षित वर्ग के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को भी निशुल्क पाठ्य पुस्तकें दी गई और पुस्तकालयों का अभूतपूर्व संवर्धन हुआ, जिससे ज़िला किन्नौर में निष्पक्ष, सार्वभौमिक शिक्षा का विस्तार हुआ है।

सिविल कार्य प्रारंभिक शिक्षा 2002 से 2021*

1	ज़िला-किन्नौर	निर्माण				वित्त (लाख में)			पूर्ण हेतु अतिरिक्त	
क्र.सं.	कार्य	कुल स्वीकृत	पूर्ण	प्रगति में	आरम्भ नहीं	कुल वित्त	व्यय	शेष	निर्माण	वित्त
1.	अतिरिक्त कक्षा कक्ष	166	165	0	**1**	277.80	271.30	**6.50**	**1**	**6.50**
2.	खंड स्रोत केंद्र	03	03	0	0	18.00	18.00	शून्य	शून्य	शून्य
3.	संकाय स्रोत केंद्र	14	14	0	0	28.00	28.00	शून्य	शून्य	शून्य
4.	सीमा प्राचीर (इकाई)	164	164	0	0	82.00	82.00	शून्य	शून्य	शून्य
5.	सीमा प्राचीर ()	7082	6666	0	**416**	90.2	81.46	**8.74**	**416**	**8.74**
6.	शौचालय	105	104	0	**1**	32.85	32.10	**0.75**	**1**	**0.75**
7.	पेयजल	35	35	0	0	7.00	7.00	शून्य	शून्य	शून्य
8.	शौचालय (छात्रा)	342	216	0	**126****	135.90	65.25	**70.65****	शून्य	शून्य
9.	प्रमुख नवीनीकरण (प्रा.)	52	45	0	**7**	29.16	25.54	**3.62****	शून्य	शून्य
10.	प्रमुख नवीनीकरण (उ.प्रा.)	24	24	0	0	22.88	22.88	शून्य	शून्य	शून्य

11.	मुख्याध्यापक कक्ष (प्रा.)	0	0	0	0	0	0	शून्य	शून्य	शून्य
12.	मुख्याध्यापक कक्ष (उ.प्रा.)	20	15	0	**5***	53.00	39.75	**13.25****	शून्य	शून्य
13.	पुस्तकालय (प्रा.)	372	372	0	0	11.16	11.16	शून्य	शून्य	शून्य
14.	पुस्तकालय (उ.प्रा.)	164	164	0	0	16.40	16.40	शून्य	शून्य	शून्य
15.	नव विद्यालय भवन (प्रा.)	01	01	0	0	18.00	18.00	शून्य	शून्य	शून्य
16.	नव विद्यालय भवन (उ.प्रा.)	0	0	0	0	0	0	शून्य	शून्य	शून्य
17.	विद्युतीकरण	160	159	0	**1**	24.12	23.91	**0.21**	**01**	**0.21**
18.	खंड स्रोत केंद्र- वृद्धि	03	03	0	0	15.00	15.00	शून्य	शून्य	शून्य
19.	शौचालय (दिव्यांग)	16	16	0	0	3.20	3.20	शून्य	शून्य	शून्य
20.	रेम्प और हैण्डरेल्स	125	107	0	18	12.1	9.40	**2.25**	**15**	**2.25**
21	सौर विद्युत् और उपकरण	0	0	0	0	0	0	शून्य	शून्य	शून्य
22	खंड स्रोत भवन नवीनीकरण	1	0	0	1	5.49	0	शून्य	शून्य	शून्य
	कुल	**8849**	**8273**	**0**	**576**	**882.26**	**770.35**	**105.97**	**434**	**18.45**

*स्रोत -ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान किन्नौर स्थित रिकोंग पियो /

** बजट समर्पित /

निर्माणाधीन भवन (रा.व.मा.वि. सापनी किन्नौर)

निर्माणाधीन भवन (रा.व.मा.वि. ब्रुआ किन्नौर)

निर्माणाधीन भवन (रा.व.मा.वि. कोठी किन्नौर)

प्रयोगशाला और सभागार निर्माणाधीन-रा. व. मा. वि. निचार

किन्नौर के शिक्षा के इतिहास में हांगो विद्यालय प्राचीनतम विद्यालयों में से एक है, परन्तु आज तक इस उच्च विद्यालय का अपना स्वतंत्र भवन, परिसर और क्रीडा स्थल नहीं बन पाया है। संलग्न प्राथमिक विद्यालय के साथ मात्र दो कमरों में ही कक्षा कक्ष की व्यवस्था है।

राजकीय उच्च विद्यालय हांगों किन्नौर

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (एकीकृत)

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान 15-16 वर्ष की आयु के सभी युवाओं के लिए अच्छी गुणवत्तायुक्त माध्यमिक शिक्षा उपलब्ध कराने, उसमें पहुंच बनाने और उसे वहनीय बनाने के उद्देश्य से मार्च, 2009 में प्रारंभ की गई मुख्य योजना है।

इस योजना का उद्देश्य गुणवत्ता को सुनिश्चित करते हुए माध्यमिक स्तर पर गुणवत्तायुक्त शिक्षा में पहुंच बढ़ाने और इसमें सुधार करना है। इस योजना में सभी माध्यमिक विद्यालयों के लिए निर्धारित मानकों का निर्धारण करके, स्त्री-पुरुष, सामाजिक-आर्थिक भेदभाव और दिव्यांगता की बाधा को हटाकर, वर्ष 2020 के अंत तक अंतरराष्ट्रीय प्रतिधारण को प्राप्त करके माध्यमिक स्तर की शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय पहुंच प्रदान करना और माध्यमिक स्तर पर दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करके कक्षा 9-10 वीं के लिए नामांकन बढ़ाने की परिकल्पना की गई थी।

ज़िला किन्नौर में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, शैक्षणिक सत्र 2012-13 से सक्रिय हुआ। इस अभियान के अंतर्गत शिक्षकों को आधुनिक संगणक माध्यमों में प्रवीण बनाना, विद्यार्थी केन्द्रित मनोवैज्ञानिक अधिगम पर आधारित प्रशिक्षण, सभी विषयों के पाठ्यक्रम योजना एवं प्रस्तुति, और नेतृत्व कौशल जैसे विषय प्रमुख थे। वर्ष 2013 से अब तक सभी पाठ्यक्रम विषयों में 2198, विद्यालय नेतृत्व विकास योजना में वर्ष 2014 से 173 विद्यालय प्रमुखों और 26 अध्यापकों को सबल भारत के अंतर्गत प्रशिक्षण दिए गए।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विकसित एक विशिष्ट अवधारणा है। 09 जुलाई, 2015 को नई दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने 'राष्ट्रीय आविष्कार अभियान' का शुभारंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में विज्ञान एवं गणित के लिए उत्सुकता, सृजनता एवं अभिरुचि का समावेश करना है। यह अभियान छात्रों को कक्षा से बाहर विज्ञान को सीखने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक पहल है। यह अभियान डिजिटल इंडिया विज़न को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है।

आमंत्रित विशेषज्ञ द्वारा व्याख्यान, विद्यार्थियों के मध्य अन्तर्विद्यालय प्रतियोगिता, विज्ञान और गणित विषयों के साहित्य, पत्रिकाओं, सरल शोध पत्रों और विज्ञान से संबंधित संग्रहालयों, प्रयोगशालाओं का भ्रमण करना सम्मिलित है। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत विज्ञान व गणित के लिए प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए सत्र 2016 -17 में रा.व.मा. विद्यालय ग्याबुंग को ₹ 4.45 लाख, कानम ₹ 4 लाख, कल्पा ₹ 4 लाख, सांगला ₹ 4 लाख, रिकांग पियो ₹ 3 लाख, निचार ₹ 4.45 और संयुक्त रूप से चयनित विद्यार्थियों के बाह्य भ्रमण के किये ₹ 1.10 लाख, कुल ₹ 25 लाख रुपये व्यय किये गए।

क्र.सं.	सत्र	बजट
1.	2016-17	25,00,000
2.	2018-19	10,49,000
3.	2019-20	**10,97,000**
4.	2020-21	**6,30,000**

अंतर विद्यालय प्रतियोगिताएं

ज़िला किन्नौर के पांच माध्यमिक विद्यालय- सुमरा, डुबलिंग, रिस्पा, पुनंग और रुनंग में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में नामांकन 0 से 3 तक होने के कारण राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत सम्मिलित नहीं हुए, जबकि शेष ज़िला सभी प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत सम्मिलित हैं।

प्रतिभा खोज

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत सत्र 2019-20 में जिला किन्नौर के 14 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय- चांगो, लियो, रिब्बा, कोठी, तंगलिंग, बारंग, ब्रुआ, शोंग, किल्बा, मीरू, रक्छम, बटसेरी, छोटा कम्बा और रूपी को ₹ 15,00/- मात्र विद्यार्थियों के मौलिक विचार और नवाचार की खोज के संदर्भ में प्रतियोगिताओं हेतु व्यय हुए और इसी सत्र में किन्नौर के सभी बीस उच्च विद्यालयों और बत्तीस वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को ₹ 18,00/- मात्र उक्त उद्देश्य पूर्ति हेतु अनुदान दिए गए। इन प्रेरणाओं से इन विद्यार्थियों में से भविष्य के वैज्ञानिक उभर के आयेंगे।

बाला परियोजना

सर्व शिक्षा अभियान ने कई नवाचारों को व्यहवृत किया और सतत प्रयास करते रहे कि विद्यालय बच्चों के लिए आकर्षक, उत्प्रेरक, अनुकूल और शिक्षाप्रद हों, इस उद्देश्य से इस अवधारणा का जन्म हुआ कि क्यों न विद्यालय भवन और परिसर को ही शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री बना लिया जाए। इस अवधारणा के क्रियान्वयन को भवन एक शिक्षण अधिगम अर्थात बाला (बिल्डिंग एस लर्निंग एड) कहा जाता है। इस प्रयास से विशेषकर प्राथमिक विद्यालय अधिक आकर्षक हुए और उद्देश्य अनुरूप परिणाम भी आये।

ज़िला किन्नौर में सत्र 2018-19 में बाला के अंतर्गत सभी प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए ₹ 1,50,000/- और सत्र 2019-20 के लिए ₹ 1,20,000/- कुल ₹ 1,70,000/- व्यय किये गए।
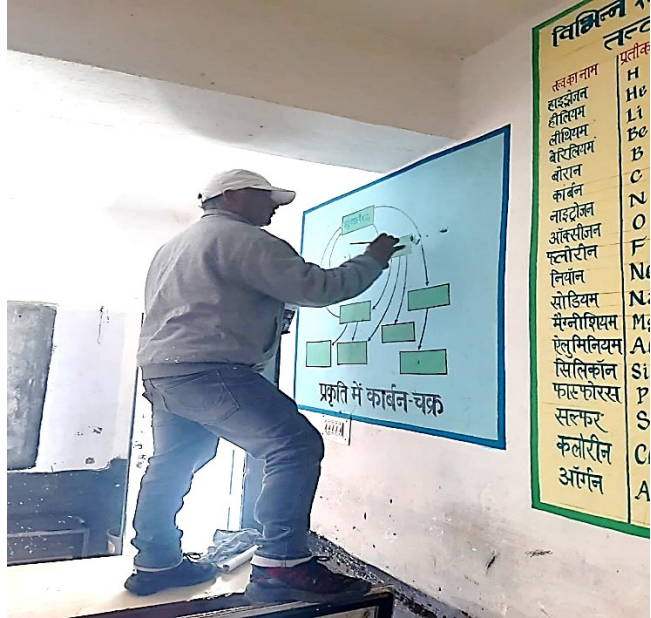
मध्याह्न भोजन योजना

भारत सरकार की इस योजना के अन्तर्गत पूरे देश के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को दोपहर का भोजन निःशुल्क प्रदान किया जाता है। नामांकन बढ़ाने, प्रतिधारण और उपस्थिति तथा इसके साथ- साथ बच्चों में पौषणिक स्तर में सुधार करने के उद्देश्य से 15 अगस्त 1995 को केन्द्रीय प्रायोजित नीति के रूप में प्रारंभिक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पौषणिक सहायता कार्यक्रम शुरू किया गया था। अधिकतर बच्चे खाली पेट स्कुल पहुँचते हैं, जो

बच्चे स्कूल आने से पहले भोजन करते हैं, उन्हें भी दोपहर तक भूख लग जाती है और वे अपना ध्यान पढाई पर केंद्रित नहीं कर पाते हैं। मध्याह्न भोजन बच्चों के लिए " पूरक पोषण " के स्रोत और उनके स्वस्थ विकास के रूप में भी कार्य कर सकता है। यह समतावादी मूल्यों के प्रसार में भी सहायता कर सकता है, क्योंकि कक्षा में विभिन्न सामाजिक पृष्ठ्भूमि वाले बच्चे साथ में बैठते हैं और साथ - साथ खाना खाते हैं। विशेष रूप से मध्याह्न भोजन स्कूल में बच्चों के मध्य जाति व वर्ग के अवरोध को मिटाने में सहायक हो सकता हैं। स्कूल की भागीदारी में लैंगिक अंतराल को भी यह कार्यक्रम कम कर सकता हैं, क्योंकि यह बालिकाओं को स्कूल जाने से रोकने वाले अवरोधो को समाप्त करने में भी सहायता करता हैं। मध्याह्न भोजन नीति छात्रों के ज्ञानात्मक, भावात्मक और सामाजिक विकास में सहायता करता हैं। सुनियोजित मध्याह्न भोजन को बच्चों में विभिन्न अच्छी आदतें डालने के अवसर के रूप में उपयोग में लाया जा सकता हैं। यह नीति महिलाओं को रोजगार के उपयोगी स्रोत भी प्रदान करता हैं ।

इस ज़िला में कक्षा एक से आठवीं तक के सभी विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन कराया जाता है और इस योजना के अवधारणा के अनुरूप विद्यालय में नामांकन, ठहराव और बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक परिवर्तन आया है ।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी

अनादिकाल से मानुषिक सभ्यता को शिक्षा ने ही उत्तरोत्तर विकास और बौद्धिक उत्थान दिया है । शिक्षा में क्रमिक विकास, नवाचार और आवश्यकताओं के अनुसार नवीन माध्यम सदैव स्वाभाविक रहा है । इसी क्रम में आधुनिक शिक्षा में संगणक का अवतरण क्रांतिकारी और अपरिहार्य हो गया है । इस संगणक माध्यम के पाठ्यक्रम को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी कहा जाता है । संगणक (कंप्यूटर) पाठ्य पुस्तकों की अपेक्षा अत्यधिक मूल्य के होने के कारण यह अधिकाँश विद्यार्थियों की पहुँच से दूर था । केंद्र व राज्य सरकारों के अथक प्रयासों से आज ज़िला किन्नौर के सभी उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) प्रयोगशालाएं विद्यमान हैं।

विद्यालाओं में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आर.एम.एस.ए.) में सम्मिलित और इसके प्रमुख घटक है । विद्यालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) दिसंबर, 2004 में आरम्भ हुआ और वर्ष 2010 में संशोधित की गई ताकि माध्यमिक स्तर के छात्रों को मुख्य रूप से आई.सी.टी. कौशल की सक्षमता और उन्हें संगणक (कंप्यूटर) में दक्षता प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जा सके । यह योजना विभिन्न सामाजिक आर्थिक और अन्य भौगोलिक बाधाओं के छात्रों के बीच डिजिटल विभाजन को समुचित रूप से हल करने के लिए एक प्रमुख उत्प्रेरक है ।

ज़िला किन्नौर में शैक्षणिक सत्र 2008-09 में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी विषय के पठान पाठन व प्रशिक्षण के लिए सात वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को चुना गया था, यह प्रथम चरण था, जहां यह पूर्ण रूप से सफल रहा। सत्र 2010-11 में उन्नीस वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चयनित कर वहां सम्बद्ध प्रयोगशालाएं स्थापित की गई और, सत्र 2011-12 में पांच वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और सत्रह उच्च विद्यालयों को चयनित कर उक्त प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई।

इस नए व समयानुसरण में अपरिहार्य विषय को जब से ज़िला किन्नौर में क्रियान्वित किया गया है, तब से जनजातीय समाज के सभी सामाजिक व आर्थिक विषम पृष्ठभूमि के विद्यार्थी मुख्यधारा व वैश्विक स्तर के विषय में समांतरत: निष्णात हो रहें है।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सामग्री व अध्यापन से युक्त रा.व.मा. विद्यालय

क्र. संख्या	वर्ष	यू- डाइस संख्या	रा.व.मा. विद्यालय नाम
1.	2008-2009	02120302201	पूह
2.	2008-2009	02120300602	कानम
3.	2008-2009	02120200601	कल्पा
4.	2008-2009	02120200501	रिकोंग पियो
5.	2008-2009	02120200101	सांगला
6.	2008-2009	02120102301	कटगाँव
7.	2008-2009	02120102701	निचार
8.	2010-2011	02120101601	निगुलसरी
9.	2010-2011	02120206002	पांगी
10.	2010-2011	02120203801	रक्छम
11.	2010-2011	02120301701	रारंग
12.	2010-2011	02120101301	चगाँव
13.	2010-2011	02120302001	चांगो
14.	2010-2011	02120104501	छोटा कम्बा
15.	2010-2011	02120200201	किल्बा

16.	2010-2011	02120300801	लियो
17.	2010-2011	02120300301	लिप्पा
18.	2010-2011	02120302501	मूरंग
19.	2010-2011	02120201701	कोठी
20.	2010-2011	02120300401	ग्याबुंग
21.	2010-2011	02120301801	जंगी
22.	2010-2011	02120300102	रिब्बा
23.	2010-2011	02120101401	रूपी
24.	2010-2011	02120207901	तंगलिंग
25.	2010-2011	02120100501	उरनी
26.	2010-2011	02120201201	सापनी
27.	2011-2012	02120200301	बारंग
28.	2011-2012	02120200801	बटसेरी
29.	2011-2012	02120200901	ब्रुआ
30.	2011-2012	02120200701	छितकुल
31.	2011-2012	02120201601	शोंग

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सामग्री व अध्यापन से युक्त रा. उच्च विद्यालय

क्र. संख्या	वर्ष	यू- डाइस संख्या	रा. उ. विद्यालय नाम
1.	2011-2012	02120300901	आसरंग
2.	2011-2012	02120302101	ठंगी
3.	2011-2012	02120101801	बरी
4.	2011-2012	02120100701	यांगपा-I
5.	2011-2012	02120101201	सुंगरा
6.	2011-2012	02120106802	रामनी
7.	2011-2012	02120102101	पानवी
8.	2011-2012	02120300901	आसरंग
9.	2011-2012	02120201301	चान्सु
10.	2011-2012	02120101101	चौरा
11.	2011-2012	02120300701	हांगो
12.	2011-2012	02120101501	कंगोस
13.	2011-2012	02120301901	नाको
14.	2011-2012	02120302601	नमग्या
15.	2011-2012	02120100901	नाथपा
16.	2011-2012	02120300201	नेसंग
17.	2011-2012	02120308902	शलखर

पुस्तकालय

इस ज़िला के सभी 20 राजकीय उच्च विद्यालयों व 32 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में पुस्तकालयों की व्यवस्था है। सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत पुस्तकालयों का संवर्धन अवश्य हुआ परन्तु उपयुक्त व कालानुगत पुस्तकों की आवश्यकता से मना नहीं किया जा सकता।

व्यावसायिक शिक्षा

शिक्षित विद्यार्थी सैद्धांतिक ज्ञान में प्रवीण होने और व्यवहारिक कौशल न होने के कारण अधिकांश शिक्षित युवा वर्ग बे-रोज़गार होते हैं। वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा के पश्चात् उन युवा वर्गों को अतिरिक्त समय और धन से कठिन प्रतियोगिताओं से निकल कर प्रशिक्षण लेना पड़ता है, जो प्रत्येक परिवार व विद्यार्थी के लिए सुलभ व आर्थिक कारणों से संभव नहीं हैं। अत: भारत सरकार की यह पहल कि प्रत्येक विद्यार्थी विद्यालयी शिक्षा के तुरंत पश्चात् रोज़गार के लिए कुशल व उपयुक्त हो, इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु वर्ष 2003 से ज़िला किन्नौर के ग्यारह वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा का क्रियान्वयन हो रहा है।

जिला किन्नौर में एनएसक्यूएफ के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा की स्थिति-

इस अंत:क्षेप के अंतर्गत दोहरे अनुभाग (डबल सेक्टर) के साथ दस रा.व.मा.वि. और एक अनुभाग के साथ एक रा.व.मा. विद्यालय है। इन विद्यालयों में राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.) के अंतर्गत 2013 से 4 चरणों में व्यावसायिक शिक्षा आरम्भ है, जिनमें से आठ अनुभाग -रिटेल, हेल्थकेयर, ऑटोमोबाइल, एग्रीकल्चर, आई.टी.ई.एस., सिक्योरिटी, टेलिकॉम, टूरिज्म एंड होस्पिटेबिलिटी सम्मिलित है। इन विषयों के प्रशिक्षण हेतु किन्नौर के लिए नौ व्यावसायिक प्रशिक्षक प्रदाता (वी.टी.पी) हैं। इस योजना के अंतर्गत आने वाली गतिविधियों में अतिथि व्याख्यान, औद्योगिक। क्षेत्र भ्रमण, मॉडल बनाना, भूमिका निभाना, चार्ट बनाना, पोर्टफोलियो बनाना आदि शामिल हैं। इन उपरोक्त गतिविधियों के साथ-साथ छात्रों को ऑन द जॉब ट्रेनिंग प्रदान की जाती है, जहां छात्रों को 42 दिनों के लिए समीपवर्ती कार्यशालाओं, शॉपिंग मॉल, क्लीनिक आदि में प्रशिक्षण दिया जाता है और उन्हें उद्योगों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलता है, जहाँ केवल हस्तगत प्रशिक्षण और गतिविधि आधारित प्रशिक्षण ही ध्येय है।

पर्यटन और आतिथ्य- अभ्यास

वार्षिक कार्य योजना और बजट के अंतर्गत स्वीकृत प्रमुख शीर्षों के लिए आवर्ती निधि, अतिथि प्रवक्ता, उद्योग भ्रमण और क्षेत्र भ्रमण, कच्चे माल और आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए होता है। इसके साथ ही प्रयोगशाला उपकरण और प्रयोगशाला निर्माण के लिए अनावर्ती धनराशि। स्तर IV (कक्षा 12वीं) को पूरा करने वाले छात्रों को सेक्टर कौशल परिषद से प्रमाण पत्र मिलता है तब वे संबंधित क्षेत्र में नौकरी पाने के लिए पात्र होते हैं। प्रतिवर्ष वे छात्र जिन्होंने स्तर- IV पूरा कर लिया है, उन्हें प्लेसमेंट ड्राइव के अंतर्गत प्लेसमेंट का अवसर दिए जाने का प्रावधान है, परन्तु उच्च शिक्षा ग्रहण हेतु छात्रों का अन्य उच्च संस्थानों में प्रवेश लेने के कारण आज तक किन्नौर के किसी भी छात्र को प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से नौकरी नहीं मिली है। 16 वर्ष और उससे अधिक आयु के छात्र ₹ 1000 रुपये प्रति माह कौशल विकास भत्ता पाने के पात्र हैं। लेकिन उन्हें नियमगत् औपचारिकताएं पूरी करने के पश्चात् रोजगार कार्यालय के माध्यम से आवेदन करना होगा। किन्नौर में अब तक चौंतीस (34) छात्र कौशल विकास भत्ता प्राप्त कर रहे हैं।

नई शिक्षा नीति के अध्याय 16 के अंतर्गत सभी रा.उ.वि. और रा.व.मा.वि. को विशेष क्षेत्रों व व्यापार के साथ सम्बद्ध करने की योजना है। सभी रा.मा. विद्यालय को व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विषय में जागरूक, व्यावसायिक पाठ्यक्रम और भविष्य के व्यवसाय में चुनने के लिए

स्वास्थ्य देखरेख- अभ्यास

तैयारियों के बारे में जागरूकता के लिए एक व्यावसायिक प्रशिक्षक प्रदान किया जाएगा। इसमें स्थानीय कारीगरों द्वारा युवा पीढ़ी को हाथों-हाथ प्रशिक्षण व अनुभव देने का अवसर दिया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश व्यावसायिक शिक्षा का वेब पोर्टल www.nsqfhp.org है, इस वेब पोर्टल के माध्यम से कोई भी अपडेट/ सूचना प्राप्त की जा सकती है।

ज़िला किन्नौर रा.व.मा. विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा का विवरण

क्रम संख्या	रा.व.मा. विद्यालय का नाम	अनुभाग का नाम	प्रशिक्षक संस्था का नाम	आरम्भ वर्ष	चरण	प्रशिक्षकों की संख्या
1.	कल्पा	हेल्थ केयर	Skilltree	2013	I	1
		रिटेल	Empower Pragati	2013	I	2
2.	रिकोंग पियो	ऑटोमोबाइल	IISD	2013	I	2
		आई.टी.इ.एस.	Centum	2013	I	2
3.	सांगला	हेल्थ केयर	Skill tree	2013	I	1
		सिक्योरिटी	Olive Heritage Edn and Welfare Society	2013	I	2
4.	कटगाँव	सिक्योरिटी	Indus Edutrain Pvt Ltd	2014	II	1
		एग्रीकल्चर	B-able	2014	II	1
5.	कोठी	एग्रीकल्चर	B-able	2014	II	1
		हेल्थ केयर	Skilltree	2014	II	1
6.	निचार	ऑटोमोबाइल	Centum	2014	II	1
		टूरिज्म	Centum	2014	II	1
7.	कानम	आई.टी.इ.एस.	Centum	2015	III	1
		हेल्थ केयर	Vidyanta	2015	III	1
8.	पूह	टेलिकॉम	Centum	2015	III	1
		एग्रीकल्चर	Empower Pragati	2015	III	1
9.	रक्छम	हेल्थ केयर	B-able	2015	III	1
		टूरिज्म	Centum	2015	III	1
10	उरनी	टेलिकॉम	AISECT	2015	III	1
		हेल्थ केयर	B-able	2015	III	1
11	चगांव	ऑटोमोबाइल	Centum	2018	VI	1

राष्ट्रीय हरित वाहिनी कार्यक्रम (इको-क्लब)

राष्ट्रीय हरित वाहिनी (एन.जी.सी.) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है। वन एवम् पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार की अनुपालना में हिमाचल प्रदेश के विद्यालयों में वर्ष 2001 से विद्यालयों व महाविद्यालयों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने और विद्यार्थियों को इको-क्लब के माध्यम से पर्यावरण संबंधी गतिविधियों में सम्मिलित करने के लिए सभी राज्यों व केंद्र शासित राज्यों के प्रत्येक ज़िले के विद्यालयों में औसतन 250 इको-क्लब स्थापित किए गए हैं। सभी केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सी.बी.एस.ई. और आई.सी.एस.ई. से संबद्ध विद्यालय भी इन कार्यक्रमों में भाग लेते हैं।

हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद, (हिमकोस्टे) ने नोडल एजेंसी के रूप में एन.जी.सी. कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के विद्यालयों और 100 महाविद्यालयों में 3000 इको-क्लब स्थापित किए हैं, जिनके उद्देश्य हैं-

1. छात्रों को अधिक दीर्घजीवी ग्रह बनाने के लिए उनकी चेतना और कार्यों को पुनर्निर्देशित करने के अवसर प्रदान करना। उपन्यास शैक्षिक दृष्टिकोण और अनुभवों के माध्यम से, छात्रों को गहन मुद्दों में जाना सिखाया जाता है।

2. छात्रों को व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से, उनके तात्कालिक वातावरण, उसके भीतर और उसमें आने वाली समस्याओं के बारे में ज्ञान प्रदान करना।

3. विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण के लिए अवलोकन, प्रयोग, सर्वेक्षण, रिकॉर्डिंग, विश्लेषण और तार्किक कौशल विकसित करना।

4. सामुदायिक अंतःक्रियाओं के माध्यम से पर्यावरण और इसके संरक्षण के प्रति उचित दृष्टिकोण विकसित करना।

5. क्षेत्रीय भ्रमण और प्रदर्शनों के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण और विकास से संबंधित विषयों के प्रति संवेदनशील बनाना।

6. तार्किक और स्वतंत्र सोच को बढ़ावा देना ताकि वे वैज्ञानिक जांच की भावना से सही चुनाव कर सकें।

7. पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कार्य परियोजनाओं में युवा मस्तिष्क को सम्मिलित करके उन्हें प्रेरित और उत्तेजित करना।

इको-क्लब के लक्षित विषय हैं-

1. ठोस अपशिष्ट का निपटान

2. जल संरक्षण

3. वायु प्रदूषण

4. जैव विविधता संरक्षण

5. वृक्षारोपण अभियान

6. जलवायु परिवर्तन

7. लोगों के बीच पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण और व्यवहार का विकास

8. पारिस्थितिकी तंत्र का अध्ययन और हमारे जीवन में जैव विविधता द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका।

ज़िला किन्नौर के प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च और वरिष्ठ विद्यालयों में कुल 250 इको-क्लब स्थापित हैं ताकि एक जीवन अनुकूल व हरित पृथ्वी हमारे वर्तमान और भविष्य में शेष रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की एक केंद्रीय योजना है। यह +2 बोर्ड स्तर के विद्यालयों के 11वीं और 12वीं कक्षा के किशोर विद्यार्थियों और तकनीकी संस्थान के युवा प्रशिक्षुओं, महाविद्यालयों के विद्यार्थियों और भारत के विश्वविद्यालय स्तर पर स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को विभिन्न सरकारी नेतृत्व वाली सामुदायिक सेवा गतिविधियों और कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। एन.एस.एस. का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा प्रदान करने का अनुभव प्रदान करना है। वर्ष 1969 में एन.एस.एस. की स्थापना के बाद से, मार्च 2018 के अंत तक छात्रों की संख्या 40,000 से बढ़कर 3.8 मिलियन से अधिक हो गई है, विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों ने स्वेच्छा से विभिन्न सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों में भाग लिया है। .

आदर्श वाक्य:

राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य "मैं नहीं आप"।

एक एन.एस.एस. स्वयंसेवक जो सामुदायिक सेवा कार्यक्रम में भाग लेता है वह या तो महाविद्यालय स्तर का या वरिष्ठ माध्यमिक स्तर का विद्यार्थी होगा।

एक सक्रिय सदस्य होने के कारण छात्र स्वयंसेवकों में, एक कुशल सामाजिक नेता, एक कुशल प्रशासक के गुण विकसित होने लगते हैं और मानव स्वभाव को समझता है।

क्रम संख्या	**विद्यालय का नाम**
1.	रा.व.मा.वि. रिकोंग पियो
2.	रा.व.मा.वि. कल्पा

3.	रा.व.मा.वि. सांगला
4.	रा.व.मा.वि. कटगाँव
5.	रा.व.मा.वि. निचार
6.	रा.व.मा.वि. भावा नगर

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस परेड में सम्मिलित रा.व.मा.वि. रिकांग पियो के छात्र व छात्रा-2019

राष्ट्रीय सेवा योजना किन्नौर हि. प्र.

राष्ट्रीय कैडेट कोर

भारत के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों में से एक श्री हृदय नाथ कुंजरू की अध्यक्षता में 29 सितम्बर 1946 को नई दिल्ली के दक्षिणी ब्लॉक में कैडेट कोर कमेटी के गठन हेतु छः सभाएं हुई, उप-समितियां बनाई और अविभाजित भारत के सभी प्रान्तों में तथा एक उप-समिति को ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस में युवा और कैडेट संगठनों का अध्ययन करने के लिए 15 फरवरी 1947 से 31 मार्च 1947 अध्ययन के लिए भेजा।

ग्रीष्म अवकाश के बाद स्कूल और कॉलेज खुले और 15 जुलाई 1948 एन.सी.सी. का उद्घाटन किया गया। यह भारतीय युवा संगठन, जो अब यह विश्व का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन है। किन्नौर के चार वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय केडेट कोर स्थापित है -

क्रम संख्या	विद्यालय का नाम
1.	रा.व.मा.वि. कानम
2.	रा.व.मा.वि. रिकांग पियो
3.	रा.व.मा.वि. कल्पा
4.	रा.व.मा.वि. सांगला

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रिकांग पियो

नई शिक्षा नीति 2020

भारत सरकार द्वारा 29 जुलाई 2020 भारत की शिक्षा नीति को घोषित किया गया। वर्ष 1986 से अंगीकृत नई शिक्षा नीति के पश्चात भारत की शिक्षा नीति में यह नवीन परिवर्तन है। यह नीति अंतरिक्ष वैज्ञानिक के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में सम्पन्न समिति प्रतिवेदन पर आधारित है।

मुख्य बिंदु

1. 2020 से 2030 तक सकल नामांकन अनुपात की शतप्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य है।
2. शिक्षा क्षेत्र पर सकल घरेलू उत्पाद के 6% भाग के सार्वजनिक व्यय का लक्ष्य रखा गया है।
3. 'मानव संसाधन प्रबंधन मंत्रालय' का नाम परिवर्तित कर 'शिक्षा मंत्रालय' कर दिया गया है।
4. पाँचवीं कक्षा तक की शिक्षा में मातृभाषा / स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा को शिक्षा के माध्यम के रूप में अपनाने पर बल दिया गया है। साथ ही मातृभाषा को कक्षा-8 और आगे की शिक्षा के लिये प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया है।
5. देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों के लिये "भारतीय उच्च शिक्षा परिषद" नामक एक एकल नियामक की परिकल्पना की गई है।

पृष्ठभूमि

1. भारतीय संविधान के नीति निदेशक तत्वों में कहा गया है कि 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिये अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जाए। 1948 में डॉ राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग का गठन हुआ था। तभी से राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण होना भी शुरू हुआ था। कोठारी आयोग (1964-1966) की संस्तुतियों पर आधारित वर्ष 1968 में प्रथमत: महत्त्वपूर्ण परिवर्तन प्रस्ताव इन्दिरा गांधी के प्रधानमन्त्री काल में पारित हुआ था।
2. अगस्त 1985 'शिक्षा की चुनौती' नामक एक अभिलेख बनाया गया जिसमें भारत के विभिन्न वर्गों (बौद्धिक, सामाजिक, राजनैतिक, व्यावसायिक, प्रशासकीय आदि) ने अपनी शिक्षा सम्बन्धी टिप्पणियाँ दीं और वर्ष 1986 में भारत सरकार ने 'नई शिक्षा नीति 1986 का प्रारूप तैयार किया। इस नीति की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विशेषता यह थी कि इसमें सारे देश के लिए एक समान शैक्षिक ढाँचे को स्वीकार किया और अधिकांश राज्यों ने 10 + 2 + 3 की संरचना को अपनाया। इसे राजीव गांधी के प्रधानमन्त्रीत्व में जारी किया गया था।

3. इस नीति में 1992 में संशोधन किया गया था। 2014 के आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र में एक नवीन शिक्षा नीति बनाने का विषय शामिल था। 2019 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने नई शिक्षा नीति के लिये जनता से सलाह मांगना शुरू किया था।

महत्वपूर्ण परिवर्तन

1. इस नई नीति में मानव संसाधन मंत्रालय का नाम पुनः "शिक्षा मंत्रालय" करने का फैसला लिया गया है। इसमें समस्त उच्च शिक्षा (कानूनी एवं चिकित्सकीय शिक्षा को छोड़कर) के लिए एक एकल निकाय के रूप में भारत उच्च शिक्षा आयोग का गठन करने का प्रावधान है । संगीत, खेल, योग आदि को सहायक पाठ्यक्रम या अतिरिक्त पाठ्यक्रम के स्थान पर मुख्य पाठ्यक्रम में ही जोड़ा जाएगा । शिक्षा तंत्र पर सकल घरेलू उत्पाद का कुल 6 प्रतिशत खर्च करने का लक्ष्य है जो इस समय 4.43% है । ऍम० फिल० को समाप्त किया जायेगा । अब अनुसंधान में जाने के लिये तीन साल के स्नातक डिग्री के बाद एक साल स्नातकोत्तर करके पीएचडी में प्रवेश लिया जा सकता है ।

2. नीति में शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया गया है । व्यापक सुधार के लिए शिक्षक प्रशिक्षण और सभी शिक्षा कार्यक्रमों को विश्वविद्यालयों या महाविद्यालयों के स्तर पर शामिल करने की सिफारिश की गई है। प्राइवेट स्कूलों में मनमाने ढंग से फीस रखने और बढ़ाने को भी रोकने का प्रयास किया जाएगा । पहले 'समूह' के अनुसार विषय चुने जाते थे, किन्तु अब उसमें भी बदलाव किया गया है । जो छात्र इंजीनियरिंग कर रहे हैं वह संगीत को भी अपने विषय के साथ पढ़ सकते हैं । राष्ट्रीय विज्ञान संस्थान के अनुरूप राष्ट्रीय शोध संस्थान लाई जाएगी जिससे पाठ्यक्रम में विज्ञान के साथ सामाजिक विज्ञान को भी शामिल किया जाएगा । नीति में पहली और दूसरी कक्षा में गणित और भाषा एवं चौथी और पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लेखन पर बल दी जायेगी ।

3. स्कूलों में 10 +2 प्रणाली के स्थान पर 5 +3+3+4 प्रणाली को शामिल किया जाएगा । इसके अंतर्गत प्रथम पांच वर्षों में पूर्व प्राथमिक शिक्षा के तीन वर्ष और कक्षा एक और कक्षा दो सहित प्राथमिक स्तर सम्मिलित होंगे । पहले जहां राजकीय विद्यालय कक्षा एक से आरम्भ होता था, वहीं अब तीन वर्ष के पूर्व-प्राथमिक के पश्चात् कक्षा एक आरम्भ होगी । इसके पश्चात् कक्षा 3 से 5 के तीन वर्ष सम्मिलित हैं । इसके पश्चात् 3 वर्ष का माध्यमिक स्तर आएगा अर्थात् कक्षा 6 से 8 तक की कक्षा । चौथा स्तर कक्षा 9 से 12वीं तक का 4 वर्ष का होगा । पहले जहां 11 वीं कक्षा से विषय चुनने की स्वतंत्रता थी, वही अब 9वीं कक्षा से रहेगी ।

4. शिक्षण के माध्यम के रूप में पहली से पांचवीं तक मातृभाषा का प्रयोग किया जायेगा । इसमें रटंत विद्या को समाप्त करनेका प्रयास किया गया है, जिसे वर्तमान व्यवस्था का सबसे बड़ा दोष माना जाता है । किसी कारणवश विद्यार्थी उच्च शिक्षा के मध्य में ही कोर्स छोड़ के चले जाते हैं । ऐसा करने पर उन्हें कुछ नहीं मिलता एवं उन्हें उपाधि के लिये दोबारा उसी कक्षा में आरम्भ से प्रवेश लेना पड़ता है । नई नीति में पहले वर्ष में स्नातक कक्षा त्याग पर प्रमाण पत्र, दूसरे वर्ष कक्षा त्याग पर डिप्लोमा एवं अंतिम वर्ष में उपाधि (डिग्री) देने का प्रावधान है ।

हिमाचल प्रदेश के अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए प्री व पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति

(सूचनात्मक विवरण)

अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों के लिए डॉ अम्बेडकर मेधावी छात्रवृति योजना-

संक्षिप्त उद्देश्य- हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला द्वारा आयोजित मैट्रिक परीक्षा के परिणाम में अनुसूचित जाति वर्ग के शीर्ष 1250 मेधावी छात्रों और ओबीसी के शीर्ष 1000 मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति राज्य के भीतर या बाहर किसी मान्यता प्राप्त (व्यावसायिक / प्राविधिक) संस्थान में पढ़ने वाले छात्रों को योग्यता के आधार पर दी जाती है।

लाभ- अनुसूचित जाति वर्ग के शीर्ष 1250 मेधावी छात्रों और ओबीसी वर्ग के 1000 छात्रों को दो साल के लिए क्रमशः 12,000 रुपये और 10,000 रुपये प्रति वर्ष दिए जाते हैं।

पात्रता- कक्षा 10 वीं उत्तीर्ण हों और कक्षा 11 वीं में या राज्य के भीतर या बाहर किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान में किसी भी व्यावसायिक / प्राविधिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया हो।

आवेदन कैसे करें- ऑनलाइन आवेदन पत्र के माध्यम से, इस लिंक पर जाएं - https://scholarships.gov.in/

अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए केंद्र द्वारा प्रायोजित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना-हिमाचल प्रदेश।

संक्षिप्त उद्देश्य- अनुसूचित जनजाति के छात्रों को मैट्रिक के बाद या माध्यमिक स्तर पर अध्ययन करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना ताकि उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने में सक्षम बनाया जा सके।

लाभ- छात्रावासों के लिए 380/- से 1200/- रुपये प्रति माह और दैनिक छात्र के लिए 230/- से 550/- रुपये प्रति माह तक रखरखाव भत्ता दिया जाता है।

पात्रता- केवल वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जनजाति से संबंधित हैं, जो राज्य / केंद्र शासित प्रदेश के संबंध में निर्दिष्ट हैं, जिससे आवेदक वास्तव में संबंधित है (अर्थात स्थायी रूप से बसे हुए) और जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या माध्यमिक बोर्ड की मैट्रिक या उच्चतर माध्यमिक या कोई उच्च शिक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण हो, पात्र होंगे।

इंदिरा गांधी उत्कृष्ट छात्रवृति योजना-

संक्षिप्त उद्देश्य- इंदिरा गांधी उत्कृष्ट छात्रवृति योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश द्वारा आपूर्ति की गई 10+2 कला, विज्ञान और वाणिज्य की मेरिट सूची में से प्रत्येक दस टॉपर्स को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। हिमाचल प्रदेश शिक्षा

बोर्ड, धर्मशाला और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला द्वारा आपूर्ति की गई बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम की मेरिट सूची में से दस टॉपर्स को, अनिवार्यतः वे किसी भी शैक्षणिक/ व्यावसायिक स्ट्रीम में शामिल हों।

लाभ- पूर्णतय: मेरिट के आधार पर प्रति छात्र प्रति वर्ष छात्रवृत्ति राशि के रूप में रु 10,000 दी जाती है।

पात्रता- छात्रों के पास किसी भी स्ट्रीम (विज्ञान, कला, वाणिज्य) या बीए / बीएससी / बीकॉम में न्यूनतम 60% अंकों के साथ कक्षा 12 वीं होनी चाहिए। आवेदकों ने एक अकादमिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया होगा।

आवेदन कैसे करें- ऑनलाइन आवेदन करने के लिए https://scholarships.gov.in/ पर जाएं।

एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आई आर डी पी) - हिमाचल प्रदेश –

संक्षिप्त उद्देश्य- इस छात्रवृति का मुख्य उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे (BPL) के परिवारों को आर्थिक मदद देना है ताकि उनके बच्चे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

लाभ- कक्षा 9 और 10 की छात्राओं को प्रति वर्ष 600/- रुपये और छात्रों को 300/- रुपये प्रति वर्ष प्राप्त होंगे।
कक्षा 11 और 12 के छात्रों को प्रति वर्ष 800 रुपये प्राप्त होंगे।
महाविद्यालय /विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रति वर्ष ₹ 1,200 दिए जाते हैं।
महाविद्यालय /विश्वविद्यालय के छात्र/ छात्रा वासियों को प्रति वर्ष ₹ 2,400 दिए जाते हैं।

पात्रता- किसी सरकारी या सरकारी सहायता प्राप्त संस्थान में कक्षा 9 से महाविद्यालय /विश्वविद्यालय स्तर तक की पढ़ाई हो।

कल्पना चावला छात्रवृति योजना-

संक्षिप्त उद्देश्य- इस छात्रवृति का मुख्य उद्देश्य मेधावी लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना है।

लाभ- चयनित छात्रा को वार्षिक ₹ 15,000 दिए जाते हैं।

पात्रता- हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला से किसी भी विषय (विज्ञान, कला, वाणिज्य) में 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण हो। सरकारी सहायता प्राप्त या मान्यता प्राप्त निजी संस्थान से 12 वीं के बाद के पाठ्यक्रमों (अकादमिक, व्यावसायिक/ प्राविधिक) में नियमित रूप से प्रवेश लिया हो।

स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट छात्रवृति योजना - हिमाचल प्रदेश-

संक्षिप्त उद्देश्य- विद्यालय के प्रमुख का यह सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य होगा कि वह अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले अपने-अपने संस्थानों के पात्र छात्रों से प्रपत्र भरवाकर आवेदन को समयबद्ध अग्रेषित करें।

लाभ- शीर्ष 2000 मेधावी छात्रों को दो वर्ष के लिए प्रति वर्ष ₹ 10,000 दिए जाते हैं।

पात्रता- कक्षा 10 वीं उत्तीर्ण हों और 11वीं कक्षा में राज्य के भीतर या बाहर किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में किसी भी व्यावसायिक/ प्राविधिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया हो।

ठाकुर सेन नेगी उत्कृष्ट छात्रवृति योजना-

संक्षिप्त उद्देश्य- इस योजना से जो छात्र मेधावी होने के बाद भी पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ हैं, उन्हें उच्च स्तर पर अध्ययन जारी रखने का अवसर मिलेगा।
लाभ- शीर्ष 100 छात्राओं और छात्रों को दो वर्ष के लिए प्रति वर्ष ₹11,000 दिए जाते हैं।

पात्रता- कक्षा 10 वीं उत्तीर्ण हों और कक्षा 11 वीं राज्य के भीतर या बाहर किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में किसी भी व्यावसायिक / प्राविधिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया हो।

प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना-

संक्षिप्त उद्देश्य- भूतपूर्व सैनिक, पूर्व तट रक्षक कर्मी तथा पुलिस अधिकारी जो आतंकी/ नक्सली आक्रमणों में शहीद हुए है उसके बच्चों को पढाई के लिए केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत देश में आतंकी आक्रमणों में शहीद हुए जवानों के बच्चों को सरकार द्वारा पढाई के लिए आर्थिक सहायता के रूप में छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना **2021** के अंतर्गत लड़को और लड़कियों के 12 वीं कक्षा में कम से कम 60 % अंक होने चाहिए। तभी वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

इस योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार भूतपूर्व सैनिकों भूतपूर्व, तटरक्षक तथा पुलिस अधिकारी के परिवारों के बच्चों को पढाई के लिए लड़कों को 2250 रुपये की छात्रवृत्ति प्रतिमाह प्रदान कर रहे थे, जिसे सरकार द्वारा बढाकर 2500 रूपये कर दिया गया है और लड़कियों को 2500 रूपये की धनराशि आर्थिक सहायता के रूप में प्रदान की जा रही थी उसे बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया गया है। इस छात्रवृति के अंतर्गत प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में छात्रवृत्ति के लिए पूर्व सैनिकों की कुल 55,00 आश्रितों का चयन किया जाता है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश के शहीद जवानों, सैनिकों, पुलिस अधिकारियों, पूर्व तट रक्षक सैनिकों के बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा छात्रवृत्ति के रूप में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना और

उन्हें प्रधानमंत्री योजना 2021 के द्वारा छात्रों को शिक्षा की ओर बढ़ावा देना और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य प्रदान करना। यह छात्रवृत्ति 1-5 साल की सीमित अवधि के लिए छात्र और छात्राओं को प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत मिलने वाली सहायता राशि-

1. लड़कों को ढाई हजार रुपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
2. लड़कियों को ₹3000 प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
3. इस योजना के अंतर्गत अगर छात्र 12वीं कक्षा में 85% अंक लाते हैं तो उन्हें ₹25000 की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
4. वे छात्र जो 12वीं कक्षा में 75% अंक लाएंगे 10 महीने तक ₹1000 प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

मुख्य तथ्य-

1. इस छात्रवृति योजना के अंतर्गत लगभग 5500 छात्रवृति प्रतिवर्ष प्रदान की जाती है।
2. इन 5500 छात्रवृति में से 2750 छात्रवृति छात्रों के लिए एवं 2750 छात्रवृति छात्राओं के लिए निर्धारित की गई है।
3. यह छात्रवृति कक्षा अवधि के अनुसार प्रदान की जाती है।
4. वे सभी छात्र जो देश से बाहर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं वे इस योजना का लाभ नहीं प्राप्त कर सकते हैं।
5. इस योजना का लाभ अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली के लिए प्राप्त नहीं किया जा सकता है।
6. इस योजना का लाभ केवल एक कोर्स के लिए प्राप्त किया जा सकता है।
7. आवेदन पत्र में दिया हुआ ई-मेल एवं मोबाइल नंबर छात्र का होना चाहिए।
8. यदि आवेदन पत्र में कोई त्रुटि हो गई है तो उस गलती को 10 दिन के भीतर सुधारना अनिवार्य है। यदि त्रुटि को 10 दिन के भीतर ठीक नहीं किया गया तो आवेदन पत्र को निरस्त कर दिया जाता है।
9. यदि छात्र द्वारा दो कोर्स में प्रवेश लिया गया है और एक व्यावसायिक उपाधि (प्रोफेशनल डिग्री) है और दूसरी अ-व्यावसायिक उपाधि (नॉन प्रोफेशनल डिग्री) है तो व्यावसायिक उपाधि के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
10. यह छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता वरिष्ठ माध्यमिक है।

प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना 2021 के लाभ-

1. इस योजना का लाभ देश के भूतपूर्व सैनिक, पूर्व तट रक्षक कर्मी तथा पुलिस अधिकारी जो आतंकी नक्सली आक्रमणों में शहीद हुए हैं उनके बच्चों को प्रदान किया जाता है।
2. केवल वही छात्र और छात्रा पात्र होंगे जिनकी न्यूनतम शिक्षित योग्यता 12वीं हों।
3. इस योजना के अंतर्गत लड़कियों को प्रतिमाह 3000 रूपये और लड़को को प्रतिमाह 2500 रूपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
4. इस योजना के अंतर्गत केवल वह छात्र/ छात्रा आवेदन कर सकते हैं जो किसी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश ले रहे हों।

5. जो छात्र/ छात्रा पढाई में अच्छे हैं लेकिन आर्थिक रुप से निर्बल हैं, उन छात्र/ छात्राओं को सरकार इस योजना द्वारा लाभ पहुंचाती है।

पात्रता-

1. आवेदक के बरहवीं कक्षा में कम से कम 60 % अंक होने चाहिए।
2. आवेदक भारतीय होना चाहिए।
3. आधार कार्ड।
4. भूतपूर्व सैनिक/ पूर्व तटरक्षक सैनिक प्रमाण पत्र।
5. बैंक अकाउंट पासबुक।
6. शैक्षणिक अंक तथा प्रमाण पत्र।
7. शपथ पत्र।
8. मोबाइल नंबर।
9. पासपोर्ट साइज फोटो।

चयन प्रक्रिया-

प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत निम्नलिखित श्रेणियों के लाभार्थियों को प्राथमिकता प्रदान की जाती है -

1. वे सभी पूर्व सैनिक, तटरक्षा कर्मी तथा पुलिस अधिकारी के बच्चे जो सेवाकाल में शहीद हो गए हैं।
2. वे सभी पूर्व सैनिक, तटरक्षा कर्मी तथा पुलिस अधिकारी के बच्चे जो सेवाकाल में चोट से पीड़ित हैं और विकलांग हो गए हैं।
3. चोट से पीड़ित पूर्व सैनिक के परिवार के सदस्य जो विकलांग हो गए हैं।
4. सभी पूर्व तटरक्षा कर्मी के बच्चे और विधवा।
5. पूर्व सैनिकों कर्मियों से नीचे जो कर्मचारी की श्रेणी में आते हैं।
6. वे सभी विद्यार्थी जिनके पिता या पति राष्ट्र की सेवा में थे और उन्हें वीरता पुरस्कार प्राप्त हुआ हो।

राष्ट्रीय माध्यम सह मेरिट छात्रवृत्ति योजना

विद्यालय शिक्षा और साक्षरता विभाग "राष्ट्रीय माध्यम सह उत्कृष्टयोग्यता छात्रवृत्ति योजना" (नेशनल मीन्स-कम-मेरिट स्कोलरशिप) के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है। इस योजना के अंतर्गत, आर्थिक रूप से निर्बल वर्गों के सभी मेधावी छात्रों को कक्षा 8वीं के बाद छात्रवृत्तियां दी जाती है। कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं के सभी छात्रों को अपने अध्ययनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रति वर्ष 6,000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्राप्त होती है। इच्छुक आवेदक राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और राष्ट्रीय माध्यम-सह-उत्कृष्टयोग्यता छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन पत्र भर सकते हैं।

छात्रवृत्ति दर 500 रुपये प्रति माह निर्धारित है। अभ्यर्थियों को यह राशि जारी रहेगी और वे कक्षा 10, 11, 12वीं कक्षा में नवीनीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह छात्रवृत्ति छात्रों को राज्य सरकार/ सरकारी सहायता प्राप्त

विद्यालय और स्थानीय निकाय विद्यालयों में अध्ययन करने में सहायता करेगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कक्षा 8 के बाद नामांकन ठहराव दर को कम करना है। इच्छुक और योग्य आवेदक राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं।

राष्ट्रीय माध्यम-सह-उत्कृष्टयोग्यता छात्रवृत्ति योजना 2021-22 छात्रवृत्ति की दर और संख्या-

केंद्र सरकार प्रत्येक वर्ष कक्षा 9वीं के चयनित छात्रों को कुल एक लाख छात्रवृत्ति ₹ 6,000 प्रति वर्ष (500 रुपये प्रति माह) प्रदान करती है। राज्य सरकार/ सरकारी सहायता प्राप्त/ स्थानीय निकाय विद्यालयों में अध्ययन के लिए ये छात्रवृत्ति कक्षा 10वीं से कक्षा 12वीं तक जारी/ नवीनीकृत की जा सकती है। भारतीय स्टेट बैंक को सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से सीधे छात्रों के बैंक खाते में इस राशि वितरण हेतु दायित्व दिया गया है।

प्रत्येक राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश इस छात्रवृति के लिए छात्रों के चयन के लिए राज्य स्तरीय परीक्षा आयोजित करता है। इसमें मानसिक क्षमता परीक्षण, शैक्षिक योग्यता परीक्षा सम्मिलित है। अभ्यर्थियों को कम से कम 40% अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। आरक्षित श्रेणी के लिए, प्राप्तांक 32% है। केंद्र सरकार इस योजना के लिए 100% धन उपलब्ध करती है।

नेशनल मीन्स-कम-मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम हेतु योग्यता विवरण– प्रत्येक आवेदक को राष्ट्रीय माध्यमिक-सह-उत्कृष्टयोग्यता छात्रवृत्ति योजना के योग्य बनने के लिए निम्नलिखित योग्यता मानदंड अनिवार्य हैं-

- सभी आवेदकों की कुल पारिवारिक आय प्रतिवर्ष 1.5 लाख रुपये सभी स्रोतों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- सभी छात्रों को राज्य सरकार के मानदंडों के आधार पर आरक्षण मिलेगा।
- कक्षा 8 के छात्रों को कक्षा 7वीं में 55% अंक या समकक्ष सुरक्षित होना चाहिए।
- 9वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक आगे के वर्गों के लिए, आवेदकों ने पिछली अंतिम परीक्षा में कम से कम 55% अंकों को सुरक्षित किया होना अनिवार्य है। (अ. जाति. /अ. ज. जा. के लिए 5% तक अंकों में छूट है)

इंस्पायर पुरस्कार

विज्ञानाभिमुख नवाचार हेतु अभिप्रेरित अनुसंधान (इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च- इंस्पायर) योजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इंस्पायर पुरस्कार - MANAK -राष्ट्रीय आकांक्षाओं और ज्ञान वर्द्धक लाखों मस्तिष्क (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशंस एंड नॉलेज), जिसे योजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन - इंडिया (NIF), योजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त निकाय के साथ निष्पादित किया जा रहा है, का उद्देश्य 10-15 वर्ष के आयु वर्ग के छात्रों को प्रेरित करना है जो कक्षा 6वीं से 10वीं में अध्ययनरत हों। योजना का उद्देश्य स्कूली बच्चों में रचनात्मकता और नवीन सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान और सामाजिक अनुप्रयोगों में निहित दस लाख मूल विचारों। नवाचारों को लक्षित करना है। इस योजना के अंतर्गत, प्रत्येक विद्यालय अपने 5 सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को नामांकित कर सकते हैं, जिनमें मूल विचार और नवाचार हों।

वर्ष 2019 में इंस्पायर योजना के अंतर्गत ज़िला किन्नौर के हिमालयन पब्लिक स्कूल रिकांग पियो की आठवीं की छात्रा निवेदिता नेगी ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं -प्रदर्शनी में भाग लिया।

आदर्श विद्यालय एवं उत्कृष्ट विद्यालय

शैक्षणिक सत्र 2017-18 में जिला किन्नौर के दो रा.व मा विद्यालयों कल्पा और कानम को आदर्श विद्यालय चयनित किया गया था, जिसमें विद्यालय के आधारभूत आवश्यकताओं को पूर्ण करने और शैक्षणिक क्रियाकलापों के संवर्धन के लिए के लिए अतिरिक्त बजट ₹ 2158000/- का हस्तांतरण कर इन विद्यालयों को प्रदान किया गया।

वर्ष 2020 में किन्नौर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रिकांग पियो को स्वर्ण जयंती उत्कृष्ट योजना के लिए चयनित किया गया। इस योजना में निहित उद्देश्य पूर्ति हेतु विद्यालय को अतिरिक्त बजट ₹ 44 लाख का अनुदान प्रदान किया गया। इस अनुदान के द्वारा विद्यालय के वांछित आधारभूत संरचना, रख रखाव की पूर्ति करते हुए विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए आकर्षक और अनुकूल परिसर व परिवेश का निर्माण करना सम्मिलित है।

इस वर्ष 2021, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कटगाँव को चयनित किया गया है।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रिकांग पियो (स्वर्ण जयन्ती उत्कृष्ट विद्यालय 2020)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कटगाँव (स्वर्ण जयन्ती उत्कृष्ट विद्यालय 2021)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कानम (आदर्श विद्यालय)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कल्पा (आदर्श विद्यालय)

खेल कूद प्रतियोगिता

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल कूद सतत् शिक्षा का अभिन्न अंग है। पाठ्य पुस्तकों के विवरण और सिद्धांतों से बौद्धिक स्मृति बढ़ सकती है परन्तु बिना खेल कूद के विद्यार्थी व्यवहार और मानवीय सम्बन्ध को नहीं समझ पाता है। विद्यार्थियों का मानसिक विकास, संबंधों में संतुलन, भावनाओं की परिपक्वता खेल कूद के बिना संभव नहीं है।

इस ज़िला के जनजातीय परिवेष में जन्में विद्यार्थी जन्म से ही कठोर अनुशासन और परिश्रम के लिए सहज होते हैं। यद्यपि खेल कूद प्रतियोगिताओं के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर में किन्नौर की प्रतिभा को उभरने का अवसर शनै: शनैः ही मिला परन्तु जब भी अवसर मिला किन्नौर के खिलाडियों ने अपनी योग्यता प्रमाणित कर इस ज़िला व राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित भी किया।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय सांगला में कार्यरत् प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक श्री ओपेन्द्र सिंह नेगी और राजकीय उच्च विद्यालय थेमगारंग के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक श्री श्याम रत्न नेगी के कुशल नेतृत्व और प्रशिक्षण ने बॉक्सिंग में इस ज़िला को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिनिधित्व, प्रथम, द्वितीय और तृतीया स्थान पर विजयी होकर किन्नौर को गौरवान्वित करने के साथ-साथ सभी विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरणा देते रहे हैं।

कुमारी अनिशा ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सापनी से वर्ष 2010 में आनंदपुर साहिब , पंजाब और 2011 में मेंगलोर, कर्नाटक में राष्ट्रीय स्तर के वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लिया।

शैक्षणिक सत्र 2018 से 2021 तक रा.व.मा.वि. सांगला की छात्रा कु. स्नेहा कुमारी, लगातार बॉक्सिंग में किन्नौर का प्रतिनिधित्व कर रहीं है। कु. स्नेहा ने वर्ष 2018 में जूनियर वुमन चेमपियनशिप, में रजत,2019 में जूनियर वुमन चेम्पियनशिप में कांस्य, खेलो इंडिया में स्वर्ण और अंडर-19 (गर्ल्स) में स्वर्ण और 2021 के एशियन यूथ वुमन बॉक्सिंग चेमपियनशिप में स्वर्ण पदक ला कर सम्पूर्ण ज़िला व छात्राओं के लिए प्रेरणा बन गई।

बॉक्सिंग रिंग राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निचार

ज़िला किन्नौर - राजकीय विद्यालयों के राष्ट्र स्तर के खिलाडी

क्रम संख्या	विद्यार्थियों के नाम	विद्यालय का नाम (वर्तमान)	खेल का नाम	प्रतियोगिता का नाम	स्थान	प्रतिनिधित्व वर्ष
1.	श्री ओपेन्द्र सिंह नेगी (प्रशिक्षक एवं अध्यापक)	रा.व.मा.वि. सांगला	बॉक्सिंग	31वां राष्ट्रीय खेल	कांस्य	2001
2.	श्री श्याम रत्न नेगी (प्रशिक्षक एवं अध्यापक)	रा.व.मा.वि. सांगला	बॉक्सिंग	(अ.भा.अ.वि.)	स्वर्ण	2003-04
3.	अनिशा नेगी	रा.व.मा.वि. सापनी	वॉलीबॉल	पईका राष्ट्रीय वॉलीबॉल	प्रतिनिधित्व	2010
		रा.व.मा.वि. सापनी	वॉलीबॉल	राष्ट्रीय वॉलीबॉल	प्रतिनिधित्व	2011
4.	स्नेहा कुमारी	रा.व.मा.वि. सांगला	बॉक्सिंग	जूनियरवुमनचेमपियनशिप	रजत	2018
			बॉक्सिंग	जूनियरवुमनचेमपियनशिप	कांस्य	2019
			बॉक्सिंग	खेलो इंडिया	स्वर्ण	2019
			बॉक्सिंग	अंडर19 (गर्ल्स)	स्वर्ण	2019
			बॉक्सिंग	एशियन यूथ वुमन बॉक्सिंग चेमपियनशिप	स्वर्ण	2021
5.	ऋतु	रा.व.मा.वि. सांगला	बॉक्सिंग	अंडर 17 (गर्ल्स), दिल्ली	प्रतिनिधित्व	2019
			बॉक्सिंग	यूथ नेशनल	कांस्य	2021
6.	कशिश	रा.उ.वि. थेमगारंग	बॉक्सिंग	अंडर 17 (गर्ल्स), दिल्ली	प्रतिनिधित्व	2019
		रा.व.मा.वि. सांगला	बॉक्सिंग	जूनियर नेशनल	रजत	2021
7.	सपना थापा	रा.उ.वि. थेमगारंग	बॉक्सिंग	अंडर 17 (गर्ल्स), दिल्ली	प्रतिनिधित्व	2019
		रा.व.मा.वि. सांगला	बॉक्सिंग	जूनियर नेशनल	कांस्य	2021
8.	अंकित	रा.उ.वि. थेमगारंग	बॉक्सिंग	65-अंडर 14 (बॉयस), करनाल हरियाणा	स्वर्ण	2019
9.	अंजलि	रा.उ.वि. थेमगारंग	बॉक्सिंग	अंडर 17 (गर्ल्स), दिल्ली		2019

10	हेमराज रावत	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	U-19	प्रतिनिधित्व	2011
		रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	U-19	कांस्य	2012
11	बबिता	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	U-19	प्रतिनिधित्व	2012
12	मीना	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	U-19	प्रतिनिधित्व	2012
13	जसवीनबोरिस	रा.उ.वि. रिकांग पियो	वॉलीबॉल	U-19	प्रतिनिधित्व	2013
14	रत्ना कुमारी	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	अंडर 19, राष्ट्रीय प्रतियोगिता, असम	कांस्य	2014
15	शशिकला	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	अंडर 19, राष्ट्रीय प्रतियोगिता, असम	स्वर्ण	2014
16	राहुलकर्मा	रा.उ.वि. रिकांग पियो	वॉलीबॉल	अंडर 16 राष्ट्रीय प्रतियोगिता, गुजरात	प्रतिनिधित्व	2015
17	आशा कुमारी	रा.उ.वि. रिकांग पियो	वॉलीबॉल	U-16	प्रतिनिधित्व	2016
18	पूजा कुमारी	रा.उ.वि. रिकांग पियो	वॉलीबॉल	U-16	प्रतिनिधित्व	2016
19	राज कुमारी	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	U-19	रजत	2017
		रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	U-19	रजत	2018

20	अरुणा	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	U-19	प्रतिनिधित्व	2017
21	ईशा	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	U-17	कांस्य	2018
22	राहुल ठाकुर	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	अंडर 19, राष्ट्रीय प्रतियोगिता, उत्तर प्रदेश	प्रतिनिधित्व	2018
23	जगजीत	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	अंडर 19, राष्ट्रीय प्रतियोगिता, हरियाणा	प्रतिनिधित्व	2018
		रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	अंडर 14, राष्ट्रीय प्रतियोगिता, उत्तर प्रदेश	प्रतिनिधित्व	2019
24	विजय	रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	अंडर 14, राष्ट्रीय प्रतियोगिता, उत्तर प्रदेश	प्रतिनिधित्व	2018
		रा.उ.वि. रिकांग पियो	बॉक्सिंग	अंडर 19, राष्ट्रीय प्रतियोगिता, हरियाणा	प्रतिनिधित्व	2019

राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय पुरस्कार

श्री हिरा लाल नेगी किन्नौर के प्रथम ख्याति प्राप्त अध्यापक हैं, उन्होंने ज़िला किन्नौर के विभिन्न विद्यालयों में शास्त्री पद पर अपनी सेवाएं दी और इनके शिक्षा व अध्यापन कार्य के प्रति समर्पण में कोई संशय न था, अत: उन्हें राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार, राज्य अध्यापक पुरस्कार और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए रजत और कांस्य पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

श्री अनिल कुमार नेगी, भाषा अध्यापक को उनके अध्यापन और उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के लिए 5 सितंबर, 2010 को राज्य अध्यापक पुरस्कार से तत्कालीन महामहिम राज्यपाल श्रीमती उर्मिला सिंह द्वारा राज भवन शिमला में सम्मानित किया गया।

श्री कर्म चंद, डी.इ.पी. ने किन्नौर में खेलकूद को एक नई उडान दी। उनके अतिरिक्त प्रयासों के कारण जिला किन्नौर के विद्यालयों के खिलाडी राष्ट्रीय स्तर पर किन्नौर को गौरवान्वित किया, अत: दिनांक 5 सितंबर, 2018 को प्रदेश

के माननीय मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर और माननीय शिक्षामंत्री श्री सुरेश भारद्वाज ने राजकीय महाविद्यालय संजौली शिमला में उन्हें राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किया।

हिमाचल प्रदेश के स्वर्ण जयंती के इस ऐतिहासिक वर्ष किन्नौर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रिकांग पियो के प्रधानाचार्य श्री जिया लाल नेगी को राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री अर्लेकर ने दिनांक 5 सितंबर, 2021 पीटर होफ़ होटल शिमला में राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किया। इस पुरस्कार से पूर्व भी इनकी कर्तव्यनिष्ठा और विद्यालय हित की सहभागिता में सक्रिय भूमिका के लिए वर्ष 2017 में राष्ट्रीय स्तर स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार, नई दिल्ली में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावेडकर द्वारा सम्मानित हुए।

हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री माननीय स्व. श्री वीर भद्र सिंह ने वर्ष 2017 को विद्यालय में इनके उत्कृष्ट कार्य व भूमिका के सत्यापन के लिए शिमला में राज्य स्तरीय स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार से सम्मानित किया।

अखंड ज्योति मेरे स्कूल से निकले मोती

ज़िला किन्नौर वासी आधुनिक शिक्षा के आगमन से ही त्वरित शिक्षित होकर स्वतन्त्रता पूर्व तत्कालीन रामपुर रियासत के सभी प्रमुख शासकीय पदों पर कार्यरत रहे और भारत के स्वतन्त्रता के पश्चात भारत सरकार व राज्य सरकार के लगभग सभी उच्चतम से अधीनस्थ सेवाओं के निर्णायक व महत्वपूर्ण पदों पर सेवारत रहे। एक दुर्गम और दूरस्थ जन जातीय समाज द्वारा अपनी प्रतिभा के बल पर केंद्र व राज्य के उच्चतम पदों पर नेतृत्व करना, अपने आप में एक विलक्षण उपलब्धि है।

किन्नौर के लगभग सभी विद्यालयों से ऐसे मोती निकल कर आए, जिन्होंने इन पचास वर्षों में केंद्र व राज्य के विभिन्न विभागों जैसे-सेना, पुलिस, अध्यापन, चिकित्सा और प्रशासन के लगभग सभी विभागों में अपनी सेवाएँ दी हैं। उन मोतियों का संक्षिप्त परिचय इस प्रकार हैं-

उप-तहसील हंगरंग ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

1. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चांगो किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री हुकमचंद	(भा.रा.से.)	1968
2.	श्री पासंगछेरिंग	(भा.इ.से.- रेलवे)	1980
3.	श्री दोर्जेग्यल्छन	उप प्रबंधक (केनरा बैंक)	1979
4.	डॉ राजेंद्र	चिकित्सक	1987
5.	डॉ प्रभु लाल	चिकित्सक (आयुर्वेद)	1988

6.	श्री टाशीछोडुप	अधिशासी अभियंता	1993
7.	डॉ छेवांगदोर्जे	बी.टी.पी. (पी.जी.आई.)	2000
8.	कु. उषा देवी	शाखा प्रबंधक (प.ने.बै.)	2007

2. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लियो किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री अंगछुकदोर्जे	उप मंडलीय अधिकारी (आकाशवाणी)	1985
2.	श्री राजेश कुमार	उप मंडलीय अधिकारी (स.ज.वि.नि.)	1993
3.	श्री पवन कुमार	प्रवक्ता	1993
4.	श्री धर्म सिंह	प्रभागीय अधिकारी (लेखा)	1993
5.	श्री कृष्ण लाल	पंचायत सचिव	1993
6.	श्री रणवीर सिंह	प्राथमिक शिक्षक	1993
7.	श्रीमती समतन	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1993
8.	श्री राकेश कुमार	प्र. स्ना. अध्यापक	1995
9.	श्री हेम चन्द्र	लेखापाल (स्वास्थ्य विभाग)	1997
10.	श्री पंकज शर्मा	प्रबंधक (दूर संचार)	1994
11.	डॉ सोनम आंगमो	चिकित्सक	2014
12.	श्री किरण कुमार	सैनिक	2014

तहसील पूह ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

3. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पूह किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री सोनमजांगबो	वरिष्ठ प्रबंधक (बैंक)	1968
2.	श्री इंद्र सिंह नेगी	महा निरीक्षक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1972
3.	श्री वी.सी. फारका	मुख्य सचिव हि.प्र. (भा.प्र.से.)	1975
4.	श्री इंद्र कुमार	पी.जी.एम. (भा.खा.नि.)	1978
5.	श्री देवी राम	प्रधान नियंत्रक रक्षा लेखा	1979
6.	श्री हिम्मत सिंह नेगी	अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक	1979
7.	श्री पदम् सिंह	उप-निदेशक (स्वास्थ्य विभाग)	1980
8.	श्री गोपाल नेगी	उप महा प्रबंधक (ओ.एन.जी.सी.)	1980
9.	श्री रौशन लाल	नियंत्रक रक्षा लेखा	1981

10.	श्री रौशन लाल	प्रबंधक निदेशक (स.ज.वि.नि.)	1981
11.	श्री पदम् लाल	नियंत्रक रक्षा लेखा	1983
12.	डॉ तन्ज़िनछोकित	चिकित्सक	1983
13.	श्री प्रताप सिंह	संयुक्त निदेशक एस.ए.एस.इ. (र.अ.वि.वि.)	1984
14.	श्री पी. दोर्जेग्यम्पा	निदेशक -जल योजना एवं परियोजना (के.ज.आ.)	1984
15.	श्री तन्ज़िन फारका	आदेशक (सी.सु.ब.)	1984
16.	श्री प्रेम सिंह	प्राध्यापक	1985
17.	डॉ आशा नेगी	चिकित्सक	1987
18.	डॉ सोम नेगी	चिकित्सक	1987
19.	डॉ तारा नेगी	चिकित्सक	1988

4. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्याबुंग किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री लक्ष्मी सिंह	(भा.रा.से.)	1965-66
2.	श्री जय चंद	श्रम आयुक्त	1965-67
3.	श्री सोनमरिंगचेन	मुख्य अभियंता	1967
4.	श्री पदम् लाल	(भा.र.ले.से.)	1977
5.	श्री सत्य प्रकाश	(भा.व.से.)	1979-83
6.	श्री श्याम सिंह	(भा.इ.से.)	1981-85
7.	श्री ज्ञान सागर	(हि.प्र.प्र.से.)	1981-85
8.	श्री प्यारे लाल	प्रभागीय प्रबंधक नाबार्ड	1970-72
9.	श्री गुरदयाल सिंह	संभागीयटेलीग्राफ	1975-76
10.	श्री चन्द्र लाल	मुख्य प्रबंधक इरकोन	1976-78
11.	श्री जगन्नाथ	अधिशासी अभियंता	1980-84
12.	श्री कुमार सिंह	अधिशासी अभियंता	1979-83
13.	श्री विजय कान्त	खंड विकास अधिकारी	1980-84
14.	श्री चन्द्रवीर	(सी.आई.बी.)	1977-79
15.	श्री विद्या चंद	भूवैज्ञानिक	1985

5. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कानम किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री पी.एस. नेगी	(भा.प्र.से.)	1950
2.	श्री देव सिंह नेगी	मुख्य सचिव (भा.प्र.से.)	1961
3.	श्री अजीर विद्या नेगी	सचिव (भा.प्र.से.)	1966
4.	श्री सुभाष चन्द्र नेगी	प्रधान सचिव (भा.प्र.से.)	1969
5.	श्री बलवंत सिंह नेगी	ले.जनरल	1968
6.	श्री नरबूग्यलछन नेगी	महानिरीक्षक (पुलिस) (भा.पु.से.)	1955
7.	श्री धर्म पॉल नेगी	अतिरिक्त महानिदेशक (भा.पु.से.)	1963
8.	श्री लक्ष्मी सिंह नेगी	(भा.रा.से.)	1969
9.	श्री धर्म वर्धन नेगी	(भा.व.से.)	1967
10.	श्री शमशेर सिंह नेगी	(भा.व.से.)	1972
11.	श्री सुनिन्द्र सिंह नेगी	मुख्य अभियंता (भा.इ.से.)	1977
12.	श्री इंद्र सैन पानस	(भा.इ.से.)	1978
13.	श्री हरबंस सिंह ब्रस्कोन	विशेष सचिव हि.प्र. सरकार (भा.प्र.से.)	1983
14.	डॉ विक्रम सिंह पानस	उप मंडल दंडाधिकारी (हि.प्र.प्र.से.)	1988
15.	श्री लाल सिंह ओपंग नेगी	सत्र न्यायधीश (दिल्ली)	1987
16.	श्री सोनमरिंगचन	सदस्य (हि.प्र.अ.से.च.आ.)	1968
17.	श्री पन्मादोर्जे नेगी ब्रस्कोन	ले.कर्नल	1954
18.	श्री कृपया राम नेगी	महानिरीक्षक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1965
19.	श्री श्याम सिंह नेगी	उप महानिरीक्षक (स.सी.ब.)	1976
20.	श्री अमर नेगी	महानिरीक्षक	1980
21.	श्री प्रीतम लाल नेगी	अतिरिक्त निदेशक	1971
22.	श्री गुरमीतग्यचन नेगी	तहसीलदार	1997
23.	श्री हीरा लाल नेगी	वरिष्ठ अभियंता	1952
24.	डॉ वंगछुकदोर्जे	प्राध्यापक (वाराणसी विश्वविद्यालय)	1967
25.	डॉ हिरपालगंग नेगी	प्राध्यापक (दिल्ली विश्वविद्यालय)	1968
26.	डॉ नैन जीत पाईसोर	प्राध्यापक (हि.प्र.विश्वविद्यालय)	1983
27.	डॉ विद्या सागर नेगी	खण्ड चिकित्सा अधिकारी	1979
28.	डॉ चन्द्र देवा	चिकित्सक (औषधि)	1979
29.	डॉ सुंदर सिंह	चिकित्सक (नेत्र विज्ञान)	1980
30.	डॉ राम चन्द्र नेगी	चिकित्सक (औषधि)	1984
31.	श्री मंगल ध्वज ओपंग नेगी	विभाग प्रमुख (फिल्म एंड टी.वी.) पुणे	1980
32.	श्री निखिल आनद नेगी	(भा.प्र.सं. अहमदाबाद)	1974
33.	श्री तेजस्वी नेगी	वरिष्ठ लोक अभियोजक (के.जां.ब्यू.)	1981

34.	श्री सुंदर सिंह मेहता	महाप्रबंधक (स्टे.बै.ऑ.इ.)	1972

तहसील मूरंग ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

6. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लिप्पा किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री हरीश चन्द्र	वन परिक्षेत्र अधिकारी
2.	श्री हीरा सिंह नेगी	शास्त्री (राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार)
3.	श्री अजय कुमार	प्रधानाचार्य
4.	श्री दिला राम	सहायक नियंत्रक
5.	श्री मेडुब राम	अधिशासी अभियंता
6.	डॉ सुशील कुमार	उप-कुलपति (नौनी)
7.	श्री इंद्रा सिंह	न्यायाधीश
8.	श्री रोशन लाल	अधिशासी अभियंता
9.	श्री दीवान सिंह	उप – निरीक्षक (के.आ.पु.ब.)
10.	डॉ मुनीन्द्र	सहायक आचार्य
11.	श्री देवा सेना	क्षेत्रीय प्रबंधक (हि.प्र.प.प.नि.)
12.	श्री इंद्रा राम	प्रबंधक (राजभाषा)
13.	डॉ सुंदर लाल	आचार्य
14.	डॉ अर्जुन कुमार	सहायक आचार्य
15.	डॉ सोनम	चिकित्सक
16.	डॉ विजय लक्ष्मी	चिकित्सक (आयुर्वेद)
17.	श्रीमती मोनलम डोलमा	सहायक आचार्य

7. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जंगी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री आत्मा राम	तहसीलदार	1980
2.	डॉ सोनम ग्याछन नेगी	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (किन्नौर)	1980
3.	श्री चिंत राम	प्राचार्य	1983
4.	श्री दुर्गा चंद	प्राचार्य	1983
5.	श्री सुधीर कुमार	अभियंता	1986

6.	श्री रति राम	प्राचार्य (चिकित्सा महाविद्यालय)	1984
7.	श्री देविन्द्र सिंह	प्रबंधक	1983
8.	श्रीमती बालम देवी	प्राचार्या	1990
9.	श्री गोपी चंद	प्राचार्य	1992

8. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मूरंग किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री सत्य नारायण नेगी	वरिष्ठ प्रबंधक	1972
2.	श्री प्रेम सागर नेगी	महा डाकपाल (भा.डा.से.)	1972
3.	श्री शरब छोपेल नेगी	उपायुक्त	1973
4.	डॉ राजीव कुमार भारद्वाज	हृदय रोग विशेषज्ञ	1973
5.	श्री देविन्द्र सिंह रघु	क्षेत्रीय अधिकारी	1974
6.	श्री रविन्द्र सिंह नेगी	तहसीलदार	1974
7.	श्री रमेश चंद माथस	प्राध्यापक	1975
8.	श्री सर चद्र नेगी	महाप्रबंधक (डी.आई.सी.)	1976
9.	श्रीमती सरला देवी नेगी	प्रधानाचार्य	1976
10.	श्री जगदर्शन सिंह नेगी	आयकर अधिकारी	1978
11.	श्री दीपक कुमार नेगी	अधिशासी अभियंता (दूरसंचार)	1978
12.	श्री जनक सिंह नेगी	प्रधानाचार्य	1979
13.	श्री विद्याधर नेगी	ज़िला राजस्व अधिकारी	1979
14.	श्री गोकर्ण देव नेगी	मुख्य प्रबंधक (बैंक)	1979
15.	श्री अनिल कुमार नेगी	अधीक्षक, श्रेणी-I	1980
16.	श्री योज्ञान सिंह नेगी	उप महानिदेशक (के.आ.पु.ब.`)	1982
17.	श्री लेखराज सिंह नेगी	ज़िला लेखा अधिकारी	1983
18.	डॉ कवि राज नेगी	चिकित्सक (कार्यक्रम अधिकारी)	1983
19.	श्री भारत भूषण नेगी	मुख्य प्रबंधक (बैंक)	1983
20.	डॉ सतीश कुमार नेगी	चिकित्सा अधिकारी	1993
21.	श्री मदन सिंह नेगी	दूरसंचार अधिकारी	1998
22.	श्री राधे श्याम नेगी	सहायक प्राध्यापक	1999
23.	कु. सुषमा नेगी	उप-नियंत्रक (अभियंता)	2000

9. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रिब्बा किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री तनज़िन दरिया नेगी	(भा.प्र.से.)	1964
2.	श्री प्रह्लाद सिंह नेगी	आयुक्त (के.उ.सी.शु.क.)	1971
3.	श्री भाग नन्द सिंह नेगी	(भा.पु.से.)	1974
4.	श्री एस.के.बी.एस. नेगी	(भा.प्र.से.)	1974
5.	श्री शक्ति कुमार नेगी	(भा.प्र.से.)	1976
6.	श्री डन्डुप तनज़िन नेगी	अतिरिक्त आयुक्त (हि.प्र.उ.शु.क.)	1977
7.	श्री डन्डुप वांगग्याल नेगी	(भा.पु.से.)	1978
8.	श्री बंसी लाल नेगी	(भा.व.से.)	1978
9.	श्री दलीप कुमार नेगी	(भा.प्र.से.)	1982
10.	कु. स्वर्ण लता	वैज्ञानिक	2001
11.	कु. स्नेह कीर्ति नेगी	(आई.एस.एस.)	2007

10. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रारंग किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री शरब पल्दन	उप-महाप्रबंधक (रि.बै.इ.)	1952
2.	श्री टी.जी. नेगी	अतिरिक्त मुख्य सचिव हि.प्र. (भा.प्र.से.)	1963
3.	श्री शरब छोपल	(भा.प्र.से.)	1970
4.	श्री अंगयुत दोर्जे	मुख्य अभियंता (भा.दू.सं.नि.)	1971
5.	श्री जिया लाल	प्रधानाचार्य	1983

तहसील कल्पा ज़िला किनौर हि.प्र. -

11. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पांगी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री बालम सिंह	मुख्य चिकित्सा अधिकारी	1966
2.	श्री सुरेन्द्र पंगटू	खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी	1966
3.	श्री श्रीज्ञान नेगी	पलटन कमांडर (गृह रक्षा)	1966
4.	श्री रघु ज्ञान	संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य)	1971
5.	श्री पद्म सिंह पंगटू	उप-निदेशक (युवा सेवा)	1972

6.	श्री ब्यास देव	मुख्य प्रयोगशाला तकनीशियन	1972
7.	श्री नागेन्द्र पॉल	उप मंडल अधिकारी (हि.प्र.रा.वि.बो.)	1974
8.	श्री बालक राम	मुख्य अभियंता (रेलवे)	1989

12. राजकीय देवी चंडिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोठी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी	उप निदेशक (शिक्षा विभाग हि.प्र.)	1980
2.	श्री बसंत कुमार	उप-निदेशक उच्च शिक्षा हि.प्र.	1981
3.	श्री राम सिंह नेगी	प्रधानाचार्य (उच्च शिक्षा हि.प्र.)	1981
4.	श्री कुलदीप सिंह नेगी	प्रधानाचार्य एवम् ज़िला परियोजना अधिकारी	1987
5.	सुश्री लक्ष्मी नेगी	प्रधानाचार्य केन्द्रीय विद्यालय	1988
6.	डॉ वंदना बिल्यान	चिकित्सक	2006

13. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रिकोंग पियो किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	डॉ शकुन्तला नेगी	चिकित्सक (आयुर्वेद)	1994
2.	श्री प्रवीन	मुख्य प्रबंधक (बैंक)	1995
3.	श्री संजीत कुमार	शाखा प्रबंधक (बैंक)	1999
4.	श्रीमती विजेता	सहायक प्राध्यापक	1999
5.	श्रीमती शिवानी	मुख्य प्रबंधक	2001
6.	डॉ प्रवीन	चिकित्सक	2009
7.	डॉ विक्रम	चिकित्सक	2010

14. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कल्पा किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री प्रेम नाथ	उप मंडल अधिकारी	1961-62
2.	श्री महिंद्र नेगी	आयुक्त (उत्पाद एवं सीमा शुल्क)	1961-62
3.	श्री भीम सैन नेगी	उप सचिव (उप निदेशक पंचायती राज)	1961-62
4.	श्री सुभाष नेगी	विभाग प्रमुख (शल्य चिकित्सा)	1962-63
5.	श्री कवि नेगी	अतिरिक्त महानिदेशक (उत्तराखंड पुलिस)	1963-64

6.	श्री आर. एस. नेगी	सचिव (भा.प्र.से.) महाराष्ट्र	1963-64
7.	श्री ज़ेड. एस. नेगी	अतिरिक्त सचिव (विधि)	1963-64
8.	श्री दौलत सिंह	भा.पु.से. (असम)	1963-64
9.	श्री ज्ञान चंद	आयुक्त (आयकर)	1964-65
10.	श्री जसवंत सिंह	मुख्य आयुक्त एवं महानिदेशक (आयकर) चंडीगढ़	1966-67
11.	कु. श्यामा नेगी	उप निदेशक उच्च शिक्षा	1966-67
12.	श्री श्री टी.जी. नेगी	प्रधान सचिव मुख्यमंत्री (भा.प्र.से.)	1968-69
13.	श्री हुकुम चंद	प्रधान आयुक्त (भा.रा.से.)	1969-70
14.	श्री सरजन सिंह नेगी	अध्यक्ष (भारतीय रेलवे-यातायात सेवा)	1969-70
15.	डॉ बालम नेगी	मुख्य चिकित्सा अधिकारी	1969-70
16.	श्री शरब चंडुब नेगी	उप महानिदेशक (सी.सु.ब.) वृद्धतम् एवरेस्टरोही	1970-71
17.	श्री जे.बी.एस. नेगी	महानिरीक्षक (भा.पु.से.) (के.जां.ब्यु.) एवं सी.सु.ब.	1970-71
18.	श्री शमशेर सिंह	उप सचिव (हि.प्र.प्र.से.)	1970-71
19.	श्री अमीर चंद	महानिदेशक (भा.पु.से.) सिक्किम पुलिस	1970-71
20.	श्री आर.एस. नेगी	प्रथम जनजातीय (हि.प्र.प्र.से.) (भा.प्र.से.)	1970-71
21.	श्रीमती गुरजन देवी (सविता)	परियोजना अधिकारी (ज़ि.ग्रा.वि.अ.)	1970-71
22.	श्री राज बहादुर सिंह	अधिशासी निदेशक (रेलवे बोर्ड-दिल्ली)	1971-72
23.	श्री राजेंद्र सिंह नेगी	उप महानिरीक्षक (भा.ती.सी.पु.ब.)	1971-72
24.	श्री रामेश्वर सिंह	संयुक्त आयुक्त-आयकर (भा.रा.से.)	1971-72
25.	श्री राजेंद्र सिंह नेगी	डी.पी.आर.ओ.	1971-72
26.	श्री सरजन भगत भंडारी	प्रमुख वन बल (भा.व.से.) महाराष्ट्र	1972-73
27.	श्री पदम् नेगी	उप निदेशक (युवा सेवा)	1972-73
28.	मेजर जनरल प्रेम सागर नेगी	सदस्य (डाक सेवा बोर्ड दिल्ली)	1972-73
29.	श्री ईश्वर भगत	महाप्रबंधक (बैंक)	1972-73
30.	श्रीमती सी. डोलमा नेगी	प्रधानाचार्या	1973-74
31.	श्री जे.पी.नेगी	आदेशक (भारतीय वायु सेना)	1974-75
32.	श्री देव कुमार	उप अधीक्षक (हि.प्र.पु.)	1975-76
33.	श्री भीष्मा नेगी	एस.एम.ओ.(केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा)	1975-76
34.	श्री बुधा जीत नेगी	उप सचिव	1976-77
35.	श्री नन्द लाल नेगी	(हिमाचल वित्त एवं खाता सेवा)	1977-78
36.	श्री आर.एल. नेगी	(भारतीय सूचना सेवा)	1977-78
37.	श्री जोगिन्द्र सिंह	नियंत्रक परीक्षा (हि.प्र.वि.)	1978-79
38.	श्री गंगा लाल नेगी	ज़िला युवा खेल अधिकारी	1979-80
39.	डॉ विद्या भगत नेगी	पंजीयक (इ.गा.रा.मु.वि.)	1979-80
40.	श्री प्रकाश चंद	मुख्य अभियंता	1979-80
41.	श्री हीर भगत	आयुक्त (केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क)	1979-80

42.	श्री दीवान सिंह	प्रधान सचिव मुख्यमंत्री	1979-80
43.	डॉ कल्पना नेगी	प्राध्यापक (प्रसव एवं स्त्री रोग विभाग)	1980-81
44.	श्री देव पाल सिंह	प्रधानाचार्य (विद्यालय)	1980-81
45.	श्री अंगग्युत दोर्जे	मुख्य अभियंता (भा.दू.सं.नि.)	1981-82
46.	श्री हरमन सिंह	(हिमाचल वित्त एवं खाता सेवा)	1983-84
47.	श्री सुनील दत्त नेगी	सहायक अधीक्षक (हि.प्र.पु.)	1984-85
48.	श्री नरेन्द्र पाल सिंह	अधीक्षक (के.आ.पु.ब.)	1988-89
49.	श्री राकेश कुमार	(हिमाचल वित्त एवं खाता सेवा)	1992-93

15. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तंगलिंग किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	डॉ हितेंद्र सिंह	चिकित्सक	2007
2.	डॉ वीरेंदर सिंह	चिकित्सक	2006
3.	डॉ अविनाश कुमार	चिकित्सक	2006
4.	डॉ नितीश कुमार	चिकित्सक	2005

16. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बारंग किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री भाग चैन	सब-मेजर (शौर्य चक्र) एवरेस्टरोही	1984
2.	श्री अर्जुन सिंह	आदेशक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1981

तहसील सांगला ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

17. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छितकुल किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री माया भगत नेगी	ब्रिगेडियर (बी.आर.ओ./ ग्रेफ)
2.	श्री चैत राम नेगी	प्रधानाचार्य
3.	श्री पीताम्बर सिंह नेगी	वरिष्ठ वैज्ञानिक (हि.व.शो.सं. शिमला)
4.	श्री राम कृष्ण नेगी	सहायक प्राचार्य (दिल्ली विश्वविद्यालय)

5.	श्री भूपेन्द्र सिंह नेगी	अभियंता यांत्रिक
6.	श्री हरीश चन्द्र नेगी	अभियंता रसायन
7.	श्री चन्द्र मोहन नेगी	सहायक प्राचार्य
8.	श्री राज बहादुर नेगी	अभियंता सिविल
9.	श्री विकास नेगी	पशु चिकित्सक
10.	कु. मनीषा नेगी	पशु चिकित्सक
11.	डॉ सुनीता नेगी	चिकित्सक
12.	श्री योगराज नेगी	प्रधानाचार्य
13.	श्री लेख राज नेगी	निरीक्षक (सी.सु.ब.)
14.	श्री राज विधा नेगी	निरीक्षक (सी.सु.ब.)

18. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रक्छम किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री जीवन लाल नेगी	मुख्य प्रबंधक (भा.रि.बैंक)	1980
2.	श्री कृष्ण लाल	उप आदेशक (सी.सु.ब.)	1980
3.	श्री कल्याण सिंह	उप आदेशक (सी.सु.ब.)	1982
4.	श्री माया भगत	संयुक्त निदेशक (सी.स.सं.)	1985
5.	श्री विजय राम	अधिशासी अभियंता (सि.ज.स्वा.)	1981
6.	श्री सुजान सिंह	निदेशक (ओ.एन.जी.सी.)	1982
7.	श्री संजय नेगी	महाप्रबंधक (रेलवे)	1985
8.	श्री जय सिंह	श्रमिक अधिकारी	1978
9.	डॉ अजय नेगी	चिकित्सक	1983
10.	श्री चेत राम नेगी	महाप्रबंधक (भारतीय रेलवे)	1985
11.	श्री मोहन प्रकाश	आयुक्त (श्रमिक विभाग)	1981
12.	डॉ विवेक	चिकित्सक	2003
13.	डॉ शबनम	चिकित्सक	2009
14.	श्री सुरेन्द्र सिंह	सूबेदार (भारतीय सेना)	1985
15.	श्री पंकज नेगी	अधिशासी अभियंता (ओ.एन.जी.सी.)	2010
16.	श्री विशाल नेगी	अधिशासी अभियंता (भारत पेट्रोलियम)	2010
17.	श्री ठाकुर भगत	लेखा अधिकारी	1978
18.	डॉ नीलिमा	चिकित्सक	2011

19. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बटसेरी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री पलदन गयाछो	मानद कप्तान	1983
2.	श्रीमती उर्मिला देवी	जे.बी.टी.	1983
3.	श्री कुलदीप सिंह	(हि.प्र.पु.)	1983
4.	श्री कृष्ण प्रकाश	(हि.प्र.पु.)	1983
5.	श्रीमती कविता देवी	जे.बी.टी.	1983
6.	श्री धन सिंह	सहायक प्रबंधक (बैंक)	1983
7.	श्री अरुण कुमार	(भा.इ.से.)	1984
8.	श्रीमती सुंदर कुमारी	जे.बी.टी.	1984
9.	श्रीमती कुलभूषण	(हि.प्र.पु.)	1984
10.	श्री मखन लाल	(हि.प्र.पु.)	1984
11.	श्री अशोक कुमार	(हि.प्र.पर्यटन)	1985
12.	श्री वेंकट गिरी	खंड चिकित्सा अधिकारी	1985
13.	श्रीमती कन्या कुमारी	जे.बी.टी.	1985
14.	श्री बलवीर सिंह	(हि.प्र.पु.)	1985
15.	श्रीमती अन्सुभा कुमारी	(हि.प्र.नर्सिंग)	1985

20. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सांगला किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री इंद्र भगत नेगी	महा निदेशक पुलिस (हि.प्र.)
2.	श्री केसर सिंह	सहायक वन संरक्षक (हि.प्र.)
3.	श्री भगत सिंह	उप अधीक्षक पुलिस (हि.प्र.)
4.	श्री जवाहर लाल नेगी	आयुक्त (आयकर)
5.	श्री खेम सिंह	खंड विकास अधिकारी
6.	श्री राम प्रकाश	मुख्य भैषज्यज्ञ
7.	श्री देव सिंह	खंड विकास अधिकारी
8.	श्री राधा सिंह	ए.ओ. (सी.सु.ब.)
9.	श्री लायक राम	तहसीलदार
10.	श्री गीता भगत	सहायक प्राविधिक
11.	श्रीमती चन्द्र कांता	अध्यापिका
12.	कु. प्रतिभा कुमारी	स्टाफ नर्स
13.	श्री रमेश भंडारी	उप निदेशक (पशु पालन विभाग)

14.	श्री हीरा जोर नेगी	वरिष्ठ उद्घोषक
15.	कु. सुनील देवी	प्रधानाचार्या
16.	श्रीमती कमला नेगी	प्रधानाचार्या
17.	श्री गजन सिंह	एस.पी.(आई.बी.)
18.	श्री अर्जुन सिंह	उप निदेशक (शिक्षा)
19.	श्री जितेन्द्र सिंह	तहसीलदार
20.	श्री ईश्वर दास भंडारी	जे.सी.ओ.(सिग्नल)
21.	श्री जय प्रकाश नेगी	अतिरिक्त मुख्य सचिव (हि.प्र.)
22.	श्री इंद्र प्रसाद	प्रधानाचार्य
23.	श्री रविन्द्र सिंह नेगी चंकुम	प्रबंधक निदेशक पेट्रोलियम (भारत सरकार)
24.	कु. विजय कुमारी	खण्ड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी (कल्पा)
25.	श्री स्वामी प्रकाश	मुख्य अभियंता (हि.प्र.लो.नि.वि.)
26.	श्री माया सिंह	संयुक्त पंजीयक (इ.गा.रा.मु.वि.वि.)
27.	श्री नारायण सिंह	एस.पी.(आई.बी.)
28.	श्री चन्द्र सिंह	निरीक्षक (सी.सु.ब.)
29.	श्री ईश्वर सिंह	उप निरीक्षक (भा.ति.सी.पु.ब.)
30.	श्री चेतन नरगु	कप्तान (डोगरा स्कॉट)
31.	श्री राम लछ	अनुभाग अधिकारी (भा.ति.सी.पु.ब.)
32.	श्री ज्ञान विद्या	उप महा प्रबंधक (भा.रि.बै.)
33.	श्री शिव कुमार	निरीक्षक (सी.सु.ब.)
34.	श्री प्यारे लाल नेगी	भारत निर्माण पुरस्कार
35.	श्री तनज़िन छोपल	आदेशक (हि.प्र.गृ.र.)
36.	श्री गंगा प्रसाद	उप मंडल अधिकारी (हि.प्र.रा.वि.बो.)
37.	श्री कहर सिंह	निरीक्षक (भा.ति.सी.पु.ब.)
38.	श्री ठाकुर दास	कप्तान (डोगरा स्कॉट)
39.	श्री ठाकुर भगत	वरिष्ठ लेखाकार (महा लेखाकार हि.प्र.)
40.	श्री ध्रुव भगत	निदेशक (इ.गा.रा.मु.वि.वि.)
41.	श्री योगेन्द्र सिंह	संयुक्त उप निदेशक (गृह कार्य मंत्रालय)
42.	श्री ईश्वर लाल	जे.सी.ओ. (सिग्नल)
43.	श्री देवा लाल	सहायक आयुक्त (दिल्ली पुलिस)
44.	डॉ अजेन्द्र भगत	संयुक्र आयुक्त (पशु पालन, भारत सरकार)
45.	श्री रामेश्वर	सत्र न्यायाधीश
46.	कु. राम प्यारी	भाषा अध्यापिका
47.	श्री व्यास ठाकुर	मुख्य अभियंता
48.	श्री भगवान सिंह	क्षेत्रीय प्रबंधक (ओरिएण्टल इन्शोरंस)
49.	श्री राय बहादुर	निरीक्षक (भा.ति.सी.पु.ब.)

50.	श्री प्रेम सिंह	तहसीलदार
51.	श्री किन्नर सिंह	प्रबंधक (बैंक)
52.	श्री पीताम्बर सिंह	प्रधानाचार्य
53.	श्री यशवंत	सहायक आयुक्त (दिल्ली पुलिस)
54.	श्री शिव लाल	संयुक्त सचिव (मानव संसाधन मंत्रालय)
55.	श्री टीकम सिंह	संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
56.	श्री वीरेन्द्र सिंह चंकुम	उप निदेशक (ने.यु.के.)
57.	श्री अजेन सिंह	अधीक्षक (पंजाब विश्वविद्यालय)
58.	श्री मोहन सिंह	तहसीलदार
59.	श्री नरगु कुमार	सहायक आयुक्त
60.	श्री मोहन प्रताप	उप निरीक्षक (दिल्ली पुलिस)
61.	श्री अरविन्द भंडारी	निरीक्षक (भा.खा.नि.)
62.	श्री व्यास भगत	अधीक्षक, श्रेणी -I
63.	श्री भान गंगा	निरीक्षक (दिल्ली पुलिस)
64.	श्री मेहर चंद	प्रन्बंधक (बैंक)
65.	श्री कृष्ण गोपाल	उप निरीक्षक (भा.ति.सी.पु.ब.)
66.	श्री ज्वाला प्रसाद	अभियंता (हिंदुस्तान वैमानिकी सीमित)
67.	श्री राधा कृष्ण	मुख्य अभियंता (दिल्ली प्रशासन)
68.	श्री सुरेश	प्रबंधक (बैंक)
69.	श्री कृष्ण लाल	उप आदेशक (भा.ति.सी.पु.ब.)
70.	श्री कृष्ण भगत	सहायक महाप्रबंधक (भा.खा.नि.)
71.	श्री सुंदर सिंह	उप निरीक्षक (हि.प्र.पु.)
72.	श्री गंगा दत्त	क्षेत्रीय अधिकारी (वन विभाग)
73.	श्री मंगल चंद	अधीक्षक (सि.ज.स्वा.)
74.	श्री कर्म चंद	सहायक आयुक्त (दिल्ली पुलिस)
75.	श्री उरगेन छेरिंग	डेमोन्सट्रेटर एफ एंड वी.पी. (कृषि विभाग)
76.	श्री ललित कुमार	कप्तान (13-डोगरा)
77.	श्री विद्या करन	हवालदार (डोगरा स्कॉट)
78.	श्री जगदीश	कृषि विकास अधिकारी
79.	श्री कृष्ण सिंह	उद्योग परियोजना अधिकारी
80.	श्री लक्ष्मी दास	उप निरीक्षक (दिल्ली पुलिस)
81.	श्री सुनी लाल	उप मंडल अधिकारी (हि.प्र.रा.वि.बो.)
82.	श्री वीर चंद	अधिशासी अधिकारी (यांत्रिक, लो.नि.वि.)
83.	श्री जितेन्द्र नेगी	महा निरीक्षक (उ.सु.ब.)
84.	श्री पवन कुमार	प्रधान निदेशक (रांची)
85.	श्री राजेन्द्र सिंह चेथा	तहसीलदार

86.	श्री मनेन्द्र सिंह	जे.सी.ओ. (जैक रायफल)
87.	श्री प्रद्युमन	हवालदार (जैक रायफल)
88.	श्री राज भगत	सहायक आयुक्त (भा.ति.सी.पु.ब.)
89.	श्री गुमान सिंह	अधिशासी अभियंता (लो.नि.वि.)
90.	श्री पलदन नेगी	कप्तान (डोगरा स्कॉट)
91.	श्री निरंजन	एस.एम. (डोगरा)
92.	श्री महेंद्र सिंह	निरीक्षक (हि.प्र.पु.)
93.	श्री राज भगत	पेट्टी ऑफिसर (जे.सी.ओ.) नौसेना
94.	श्री उदय सिंह	अधीक्षक, श्रेणी-I
95.	श्री गंगा कुमार	प्रधानाचार्य
96.	श्री नारायण भगत	निरीक्षक पंचायत
97.	श्री विनय भगत	सहायक अभियंता
98.	श्री विनय सिंह	मुख्याध्यापक
99.	श्री ठाकुर भगत	ज़िला शिक्षा अधिकारी
100.	श्री श्याम बरन दास	बी.पी.ओ.
101.	श्री करतार सिंह	केंद्र मुख्य शिक्षक
102.	श्री केदार भगत	मुख्याध्यापक
103.	श्री कृष्ण भगत	शारीरिक शिक्षा अध्यापक
104.	श्री सरजन भगत	बी.पी.ओ.
105.	श्री केहर सिंह	केंद्र मुख्य शिक्षक
106.	श्री विद्या चंद	केंद्र मुख्य शिक्षक
107.	श्री शेर सिंह	केंद्र मुख्य शिक्षक
108.	श्री विद्या चंद	मुख्याध्यापक
109.	श्री सोहन लाल	केंद्र मुख्य शिक्षक
110.	श्री रामेश्वर दास	बी.पी.ओ.
111.	श्री कृष्ण प्रकाश	केंद्र मुख्य शिक्षक
112.	श्री पूर्ण चंद	केंद्र मुख्य शिक्षक
113.	श्री शमशेर सिंह	शारीरिक शिक्षा अध्यापक
114.	श्री गोपाल चन्द्र	केंद्र मुख्य शिक्षक
115.	श्री इंद्र दत्त	केंद्र मुख्य शिक्षक
116.	श्री लक्ष्मण भगत	केंद्र मुख्य शिक्षक
117.	श्रीमती विनय कुमारी	मुख्य शिक्षिका
118.	श्रीमती सूरज बाला	मुख्य शिक्षिका
119.	श्री रणवीर सिंह	मुख्य शिक्षक
120.	श्री सत्य कैलाश	शास्त्री
121.	श्री जितेंद्र सिंह नेगी	महा निरीक्षक (के.औ.सु.ब.)

122.	श्री धनराज कुमार नेगी	संयुक्त उप निदेशक विमानन
123.	श्री सतीश चन्द्र नेगी	मुख्य प्रबंधक (एच.पी.सी.एल.)
124.	श्रीमती विनय नेगी	ए.डी.पी.ओ. शिक्षा विभाग

21. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शोंग किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री गोपी चंद	शखा डाकपाल	1990
2.	श्री वीरेंदर सिंह	जे.बी.टी.	1992
3.	श्री मोहिन्द्र सिंह	अग्रणी दमकलकर्मी	1992
4.	श्री राजकुमार	मुख्य आरक्षी (हि.प्र.पु.)	1996
5.	श्री विजय अमृत राज	जे.बी.टी.	1999
6.	श्री कमल राम	सैनिक	2000
7.	श्री विद्या सिंह	सैनिक	2001
8.	श्री सर्विन्द्र	जे.बी.टी.	2003
9.	कु. बविता	प्र.स्ना.अध्यापिका	2004
10.	श्रीमती पूजा माथस	भाषा अध्यापिका	2005
11.	श्री विकास	प्रबंधक (बैंक)	2006

22. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ब्रुआ किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री प्रेम कुमार	निरीक्षक (भा.ति.सी.पु.ब.)	2002
2.	श्री हेमंत	ए.पी.आर.ओ.	2002
3.	श्री जीत कुमार	जे.बी.टी.	2002
4.	श्री चंद्र शेखर	जे.बी.टी.	2002
5.	श्री दिनेश कुमार	सैनिक	2002
6.	श्री कुलभूषण	सैनिक	2004
7.	श्री सचिन	(भा.ति.सी.पु.ब.)	2005
8.	श्री जगदेव	सैनिक	2006
9.	श्री राम शरण	सैनिक	2007
10.	डॉ अश्वनी	चिकित्सक	2008
11.	श्री रविन्द्र कुमार	पटवारी	2008
12.	श्री विपिन कुमार	(भा.ति.सी.पु.ब.)	2008
13.	श्री सूरज प्रकाश	सैनिक	2009
14.	श्री रविन्द्र कुमार	सैनिक	2009

15.	श्री धीरज कुमार	(हि.प्र.पु.)	2010
16.	डॉ ममता	चिकित्सक	2011

23. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सापनी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री जय प्रकाश नेगी	अतिरिक्त मुख्य सचिव (हि.प्र.)	1966
2.	श्री रघुवेंद्र सिंह	प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्र.व.वि.)	1966
3.	श्री ज्वालाबर भंडारी	मुख्य अभियंता (रेलवे)	1969
4.	श्री भागनन्द सिंह नेगी	अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (भा.पु.से.)	1972
5.	श्री हीर भगत नेगी	आयुक्त वस्तु एवम् सेवा कर (भा.रा.से.)	1979
6.	श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी	मुख्य वैज्ञानिक (के.भ.अ.सं.)	1985
7.	श्री सूरी दास नेगी	सचिव हि.प्र.नि.शि.सं.नि.आ. (हि.प्र.प्र.से.)	1986
8.	श्री केहर सिंह बिल्यान	प्राचार्य एवम् विभाग प्रमुख (दंत चिकित्सा विभाग)	1981
9.	श्री बलबहादुर सिंह	क्षेत्रीय निदेशक (इ.एस.आई.सी.)	1979
10.	श्री बहादुर सिंह	संयुक्त सचिव (भा.प्र.से.)	1966
11.	श्री रमेश कुमार बिल्यान	जेलर (तिहाड)	1980
12.	श्री लायक राम नेगी	संयुक्त सचिव (हि.प्र.प्र.से.)	1968
13.	श्री जीतेन्द्र नेगी डेहरू	ज़िला कल्याण अधिकारी	1966
14.	श्री अर्जुन सिंह नेगी	ज़िला कार्यक्रम अधिकारी	1986
15.	श्री ठाकुर लाल नेगी	तहसीलदार	1980
16.	डॉ वीरेंदर कुमार बिल्यान	प्राचार्य पंजाब विश्वविद्यालय	1994
17.	श्री रन बहादुर सिंह नेगी	मास्टर मेरिन (स्कोर्पियो)	1990
18.	श्री सेवा देव नेगी	लांस नाइक	1992
19.	श्री भगवान सिंह नेगी	उप ज़िला न्यायवादी	1994
20.	श्री हिरा लाल भंडारी	प्रलेखन अधिकारी (भा.प.अ.सं.)	1966
21.	श्री विद्या सिंह भंडारी	मुख्य प्रबंधक (बैंक)	1973
22.	श्री नितेंद्र सिंह नेगी	उप महाप्रबंधक	1995
23.	श्रीमती कामिनी कुमारी	सहायक महाप्रबंधक (भा.खा.नि.)	1989
24.	श्री कमल नेगी	वरिष्ठ प्रबंधक भारत पेट्रोलियम	1988
25.	श्री शमशेर सिंह डेहरू	उद्यान विकास अधिकारी	1980
26.	श्री लाल सिंह बिल्यान	वन परिक्षेत्र अधिकारी	1978

24. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किल्बा किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री राम लछ	नायब तहसीलदार	1968
2.	श्री श्री रौशन लाल	नायब तहसीलदार	1969
3.	श्री सनम नरगु	सहायक आदेशक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1969
4.	श्री भजन देव	उप-अधीक्षक पुलिस	1970
5.	श्री सुरेंदर सिंह	खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी	1972
6.	श्री हरिमन सिंह	खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी	1973
7.	श्री यशवंत सिंह	मुख्य प्रबंधक (बैक ऑफ बड़ोदा)	1973
8.	श्री दोर्जेकू	सहायक आदेशक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1974
9.	श्री केशव सिंह	एस.एच.ओ. हि.प्र. पुलिस	1977
10.	श्री सम्पूर्ण सिंह	उप-प्रबंधक (यु.इ.इन्शोरेंस)	1978
11.	श्री जगदेव सिंह	सहायक महाप्रबंधक (ओ.एन.जी.सी.)	1979
12.	श्री तेजवंत नेगी	विधायक किन्नौर	1979
13.	श्रीमती अम्बिका	खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी	1979
14.	डॉ अजय कुमार	चिकित्सक	1980
15.	श्रीमती देवी	परियोजना अधिकारी (डी.आर.डी.ए.)	1981
16.	श्री लाल सिंह	वन क्षेत्र अधिकारी	1981
17.	श्री अजीत कुमार	चिकित्सक	1981
18.	श्री शुभम चंद	सहायक अभियंता (हि.प्र.रा.वि.बो.)	1983
19.	श्री सुधीर कुमार	सहायक अभियंता (हि.प्र.रा.वि.बो.)	1983
20.	श्री संजीव कुमार	मुख्य अभियंता	1984
21.	श्री विद्या बन्धु	प्राचार्य	1984
22.	डॉ दारा सिंह	चिकित्सक	1985
23.	श्री सुशील ध्वज	आदेशक (सी.सु.ब.)	1986
24.	श्रीमती ओम प्रभा	अनुभाग अधिकारी	1988
25.	श्री राकेश कुमार	सहायक नियंत्रक वित्त	1990
26.	डॉ राहुल देव	चिकित्सक (पशु पालन)	1992
27.	श्रीमती विचित्रा मोहिनी	प्राचार्य	1995
28.	श्री हिम्मत सिंह	अतिरिक्त ज़िला अटोर्नी	1996
29.	श्री करम चंद	वैज्ञानिक (आई.वी.आर.आई.)	1997
30.	श्री रोहन बिष्ट	अतिरिक्त ज़िला अटोर्नी	2000
31.	डॉ अरुण कुमार	चिकित्सक (पशु पालन)	2000
32.	डॉ संदीप कुमार	चिकित्सक	2000
33.	डॉ प्रेम चंद	चिकत्सक	2000
34.	श्री अनूप कुमार	सहायक आदेशक (भा.ति.सी.ब.)	2003

उप-तहसील टापरी ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

25. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मीरू किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	डॉ प्रेम चंद नेगी	चिकित्सक एम.डी.	1998
2.	श्री राहुल नेगी	प्रबंधक	2004
3.	श्री भगत चंद नेगी	प्रबंधक	2004

26. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उरनी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री सुंदर लाल	उप-सचिव (हि.प्र.वि.स.)	1978
2.	श्री देव कुमार	विशेष सुरक्षा दल	1991
3.	श्री ठाकुर भगत	मुख्य प्रबंधक (यूको बैंक)	1978
4.	श्री श्रवण कुमार	ए.डी.आई.बी.	1978
5.	श्री माया राम	शोध अधिकारी (योजना)	1979
6.	श्री वीर भद्र सिंह नेगी	प्रबंधक (भा.खा.नि.)	1986
7.	श्री नेहर सिंह `	उप अधीक्षक पुलिस	1967
8.	श्री रामेश्वर सिंह	सहायक आयुक्त (आयकर)	1968
9.	श्री गंगा देव	एस.एच.ओ.	1978
10.	श्री गंभीर चंद नेगी	सहायक महाप्रबंधक (भा.खा.नि.)	1972
11.	श्री ठाकुर सैन नेगी	उप-निदेशक	1975
12.	डॉ एस.एस. नेगी	सांसद	1977
13.	श्री सिकंदर नेगी	सहायक प्राध्यापक	2005
14.	श्री भजन देव	सहायक अधीक्षक पुलिस	1977
15.	श्री भारत सिंह	सहायक उप निरीक्षक (पुलिस)	1986
16.	श्री मोहन सिंह	विकास अधिकारी (भा.जी.बी.)	1970
17.	श्री अमृत लाल	सहायक शोध अधिकारी	1976
18.	डॉ दिवेश कुमार	चिकित्सक	2011
19.	श्री भजन सिंह	मुखाध्यापक	1980
20.	कु. सरस्वती देवी	प्रवक्ता (संगीत)	1993
21.	श्री गेवा शंकर	प्रवक्ता	2002
22.	श्री विनीत कुमार	प्रवक्ता	2002
23.	श्रीमती कमसिन कुमारी	भाषा अध्यापिका	1976
24.	कु. गीतांजलि नेगी	प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका	2003
25.	श्री रविन्द्र सिंह	अधीक्षक	1975

26.	श्री रणवीर सिंह	अधीक्षक (उद्यान विभाग)	1983

27. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चगाँव किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री चेत राम	विधायक किन्नौर (संसदीय सचिव)	1961
2.	श्री नरेन्द्र नेगी	सहायक वन संरक्षक	1962
3.	श्री जय पाल सिंह	सहायक (क्षेत्रीय उद्यान विभाग)	1972
4.	श्री सुरेश नेगी	सहायक (क्षेत्रीय उद्यान विभाग)	1977
5.	श्री संजय कुमार	प्रधानाचार्य	1977
6.	श्री पदम् सिंह	प्रधानाचार्य	1970
7.	श्री हंस राज	खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी	1970
8.	श्री रतन कुमार	सहायक प्राध्यापक	2005
9.	श्री श्याम भगत	अतिरिक्त महानिदेशक (पुलिस)	1982
10.	श्री विनय सिंह	प्रबंधक (बैंक)	1969
11.	श्री रामेश्वर सिंह	सहायक आयुक्त (आयकर)	1978
12.	श्री ज्ञान चंद	तहसीलदार	1964
13.	श्री सन्तु लाल	तहसीलदार	1970
14.	श्री श्याम नर	सहायक आदेशक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1962
15.	श्री लोक राम	सहायक आदेशक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1961
16.	श्री धर्म सिंह	सहायक आदेशक (स.सी.ब.)	1965
17.	डॉ सुषमा	चिकित्सक	1986
18.	डॉ दारा सिंह	चिकित्सक	1972
19.	श्री श्रीकांत	सहयकपंजीयक	1992
20.	डॉ किशोरी लाल	चिकित्सक (होम्योपैथी)	1976

तहसील निचार ज़िला किन्नौर हि.प्र.

28. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कटगाँव किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री मनी राम	तहसीलदार	1975
2.	श्री सुंदर सैन	नायब तहसीलदार	1976
3.	श्री सुरेश कुमार	केंद्र मुख्य अध्यापक	1976
4.	श्री विद्या सैन	अधीक्षक	1976
5.	श्री मोहन लाल	डी.ओ.डब्बलयू.	1976
6.	श्री अमीर चंद	मुख्य अभियंता	1976

7.	श्री अशोक कुमार	मुख्य प्रबंधक (यूको बैंक)	1978
8.	श्री योगिन्द्र सिंह	वरिष्ठ प्रबंधक श्रेणी -1 (बैंक)	1977
9.	श्री राजेंद्र सिंह	(क्षेत्रीय वन विभाग)	1983
10.	श्री रतन लाल	भूतपूर्व सैनिक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1983
11.	श्री जय चंद	खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी	1983
12.	श्री सूरत राम	विषय वाद विशेषज्ञ (उद्यान विभाग)	1980
13.	श्री राम पदम्	उप कार्य प्रबंधक (हि.प.प.नि.)	1980
14.	श्री प्रह्लाद सिंह	सहायक आदेशक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1980
15.	डॉ हंस राज	प्राध्यापक (वै.औ.अ.प.)	1984

29. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निचार किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री केहर सिंह	निदेशक (नेहरु युवा केंद्र)	1968
2.	श्री आत्म प्रकाश	उप-निदेशक (इलेक्ट्रोनिक्स)	1969
3.	श्री विद्या सैन	(हि.प्र.प्र.से.)	1968
4.	श्री दौलत राम	(हि.प्र.पु.से.)	1969
5.	श्री राम सरन दास	वरिष्ठ प्रबंधक (बैंक)	1969
6.	श्री दुर्गा सिंह	(भा.रा.से.)	1970
7.	श्री लोकेन्द्र चौहान	(हि.प्र.प्र.से.)	1970
8.	श्री ठाकुर सिंह	उप सचिव (स्वास्थ्य मंत्रालय)	1970
9.	श्री कमला नन्द	कप्तान (भारतीय सशस्त्र सेना)	1970
10.	श्री सचिया नन्द	अवर सचिव (स.ज.वि.नि.)	1971
11.	श्री शेर सिंह	(हि.प्र.पु.से.)	1971
12.	डॉ प्रकाश चंद	विभाग प्रमुख (ह्रदय रोग विभाग)	1975
13.	श्री देवी सिंह	(भा.रा.से.)	1975
14.	श्री श्याम भगत	(भा.पु.से.)	1982
15.	श्री जागृति सैन	(भा.रा.से.)	1982
16.	श्री प्रेम सागर	(भा.इ.से.)	1982
17.	श्री सुनील जरेट	सैनिक	1982
18.	श्री दोर्जे छेरिंग नेगी	(भा.प्र.से.)	1983
19.	श्री टिक्कम सिंह	अभियंता	1985
20.	श्री रूप सिंह स्योगी	वरिष्ठ प्रबंधक (केनरा बैंक)	1964
21.	श्री बसंत कुमार	उप निदेशक	1984
22.	श्रीमती रमा नेगी	मुख्याध्यापिका	1985
23.	श्री राम लछ	नायब तहसीलदार	1970

24.	श्री चन्द्र लाल	ज़िला राजस्व अधिकारी	1970
25.	श्री हरदयाल सिंह	सहायक वन संरक्षक	1970
26.	श्री गोकुल	प्रबंधक	1970
27.	श्री गुलाब सैन	वरिष्ठ सहायक	1970
28.	श्री रौशन लाल	नायब तहसीलदार	1971
29.	श्री मुल्क राम	सहायक महाप्रबंधक	1971
30.	श्री भगत सिंह	सहायक आयुक्त	1971
31.	डॉ सुषमा कुमारी	चिकित्सक	2008

30. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निगुलसरी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	डॉ प्रकाश नेगी	हृदय रोग विशेषज्ञ	1969
2.	श्री सुभाष नेगी	कर्नल भारतीय सेना	1981
3.	श्री विनय सिंह नेगी	प्रधानाचार्य	1981
4.	श्री जगत सिंह	एच.डी.ओ.	1981
5.	श्री ओम प्रकाश बिष्ट	अधिकारी (सीमा शुल्क)	1981
6.	श्री शमशेर सिंह	महा प्रबंधक (यूको बैंक)	1982
7.	श्री पवन कुमार	निदेशक दूरसंचार	1983
8.	श्री पदम चंद बिष्ट	प्रधानाचार्य	1985
9.	श्री प्रदीप कुमार	सहायक अभियंता	1985
10.	डॉ.सतीश बिष्ट	प्राध्यापक (महाविद्यालय)	1986
11.	श्री हरदेव सिंह नेगी	ए.सी.एफ.	1988
12.	श्री नरेन्द्र कुमार	सह-प्राध्यापक (महाविद्यालय)	1996

31. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छोटा कम्बा किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री दुर्गा सिंह नेगी	मुख्य आयुक्त (सीमा कर)	1967
2.	श्री देवी चंद नेगी	उप-निदेशक (शिक्षा)	1966
3.	श्री करतार सिंह नेगी	अवर सचिव (हि.प्र.रा.वि.बो.)	1965
4.	श्री विनय सिंह नेगी	प्रधानाचार्य	1978
5.	श्री ठाकुर सिंह नेगी	उप-निरीक्षक (हि.प्र.पुलिस)	1996
6.	श्री केदार सिंह नेगी	निरीक्षक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1982
7.	श्री मणि राम नेगी	केद्र मुख्याध्यापक	1977
8.	श्री हीरा लाल नेगी	केद्र मुख्याध्यापक	1980

9.	श्री अजेन्द्र नेगी	भूवैज्ञानिक	1995
10.	श्री रविन्द्र नेगी	निरीक्षक (हि.प्र.पुलिस)	1993
11.	श्री जोगिन्द्र नेगी	सी.डी.एस. (भा.ति.सी.पु.ब.)	1995

32. राजकीय उच्च विद्यालय रूपी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री गोवर्धन सिंह	केंद्र मुख्य शिक्षक	1978
2.	श्री रशवीर सिंह	अधिशाषी अभियंता	1981
3.	श्री देवेन्द्र सिंह	आदेशक (के.आ.पु.ब.)	1990
4.	श्री रवि कुमार	निरीक्षक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1999

उप-तहसील हंगरंग ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

1. राजकीय उच्च विद्यालय शलखर किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	(कोई प्रविष्टि नहीं)		

2. राजकीय उच्च विद्यालय नाको किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	डॉ रमेश कुमार	चिकित्सक (अस्थिरोग विशेषज्ञ)	1999
2.	श्री शेरब दोर्जे	वरिष्ठ प्रबंधक (बैंक)	2000
3.	श्री पन्मा छोडन	सहायक आयुक्त (आयकर एवं उत्पाद शुल्क)	2003
4.	श्री छेरिंग मुरूब	सहायक प्रबंधक (बैंक)	2004
5.	डॉ विनय कुमार	चिकित्सक	2012

3. राजकीय उच्च विद्यालय हांगो किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री मंगल सिंह	जे.बी.टी.	1987
2.	श्री राजेन्द्र सिंह	प्रवक्ता	1989
3.	श्री मंगल सिंह	वरिष्ठ सहायक	1989
4.	श्री कुंज़ंग नमग्यल	सेवादार	1989

5.	श्री कृष्ण लाल	सचिव, ग्राम पंचायत	1989
6.	श्री धर्म सिंह	लेखा अधिकारी	1991
7.	श्री ठाकुर सिंह	प्रवक्ता	1988
8.	श्री विद्या सागर	सैनिक	1988
9.	श्री मंगल देव	जे.बी.टी.	1993
10.	श्री सुरेन्द्र पाल	प्रबंधक	1992
11.	श्रीमती प्रेम लता	वरिष्ठ सहायक	1993
12.	श्री छेरिंग गोन्बो	निरीक्षक	1996
13.	डॉ संजय कुमार	चिकित्सक	2004
14.	श्री छेरिंग अंगग्यल	पटवारी	2007
15.	श्री देव कुमार	सहायक प्राचार्य	2003
16.	श्रीमती लोब्ज़ंग देवी	जे.बी.टी.	1986

तहसील पूह ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

4. राजकीय उच्च विद्यालय -नमग्या किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री इंद्र सिंह	आई.जी. (भा.ति.सी.पु.ब.)	1967
2.	श्री तारा सिंह	उप-मंडलाधिकारी (विद्युत्)	1985
3.	डॉ वीर सिंह	चिकित्सक	1989
4.	श्री पन्मा राम	भू-सैनिक	1979
5.	श्री दुर्गा सिंह	बैंक प्रबंधक	1979

5. राजकीय उच्च विद्यालय नेसंग किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री ठाकुर सिंह	प्रवक्ता	1989
2.	श्री बाबु राम	सहायक आयुक्त (आयकर एवं उत्पाद कर)	1989
3.	श्री महिंद्रा सिंह	उप निरीक्षक (भा.ति.सी.पु.ब.)	1994
4.	डॉ बल जीत सिंह	चिकित्सा अधिकारी	1995
5.	श्री संजीत कुमार	प्रबंधक (बैंक)	1997
6.	श्री हुकुम सिंह	प्रबंधक (बैंक)	1992
7.	कु. बिंदु बाला	कनिष्ठ अभियंता (लो.नि.वि.)	2001
8.	कु. श्रद्धा देवी	वैज्ञानिक वैमानिकी	2004
9.	कु. तनिष नेगी	चिकित्सक	2009

तहसील मूरंग ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

6. राजकीय उच्च विद्यालय ठंगी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्रीमती रजनी देवी	नर्स (ऑस्ट्रेलिया)	2000
2.	श्रीमती किरण बाला	सहायक प्रबंधक (यूको बैंक)	2001
3.	श्रीमती नेहा राठोर	शारीरिक अध्यापिका	2001
4.	श्री पवित्रा सिंह	सहायक प्रबंधक (ब.रा.उ.)	2001
5.	श्री रावत सिंह	सचिव (ग्राम पंचायत)	2001
6.	श्री जितेन्द्र सिंह	कला अध्यापक	2001
7.	श्री राजीव नेगी	अधिवक्ता	2003
8.	डॉ कृष्ण सिंह	चिकित्सक	2004
9.	श्री मनु राज	(स्वास्थ्य विभाग)	2004
10.	श्री ज्ञान रत्न	हवलदार	2005
11.	श्री राज गोपाल	शास्त्री	2005
12.	श्री विद्या सैन	औषधि निरीक्षक (श्रेणी -II)	2006
13.	श्रीमती डिम्पल कुमारी	प्र.स्ना.अध्यापिका	2007
14.	श्री रोहित	एच.बी.एल.विक्रय (एच डी एफ सी)	2010
15.	श्री आशीष कुमार	सैनिक (भारतीय सेना)	2012
16.	कु. दामिनी नेगी	नर्स (स्ना.उ.सं. चंडीगढ़)	2013

7. राजकीय उच्च विद्यालय आसरंग किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	श्री विद्या सागर	प्राध्यापक (हि.प्र.वि.)
2.	श्री इंद्र सैन	महाप्रबंधक (भा.रि.बै.)
3.	श्री देवी सिंह	ड्राफ्ट्समेन
4.	श्री कृष्ण भगत	क्षेत्र अधिकारी (वन विभाग)
5.	श्री अशोक नेगी	उप निदेशक प्राथमिक शिक्षा
6.	श्री जय चंद नेगी	प्रधानाचार्य

तहसील सांगला ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

8. राजकीय उच्च विद्यालय चान्सु किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री निहाल सिंह	सूबेदार	1991
2.	श्री जय प्रकाश	सेवादार	1991
3.	श्री धर्मेन्द्र मोहन	सूबेदार	1994
4.	श्रीमती विजय लक्ष्मी	कला अध्यापिका	1995
5.	श्री योगेश्वर सिंह	डाकपाल	1998
6.	श्री प्रमोद कुमार	भाषा अध्यापक	2002
7.	श्री दीप	पुलिस हवलदार	2011

9. राजकीय उच्च विद्यालय थेमगारंग किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
4.	श्री जितेन्द्र कुमार	निदेशक (स्टार स्पोर्ट्स) मुंबई	1988
5.	श्रीमती प्रेम सरिता	तहसीलदार	1991
6.	श्जरी संदीप कुमार	प्रधानाचार्य	1991

उप-तहसील टापरी ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

10. राजकीय उच्च विद्यालय -छोल्तु किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	डॉ दीक्षा कौशल	चिकित्सक	2008
2.	श्री रोहित कौशल	अभियंता	2006

11. राजकीय उच्च विद्यालय -रामनी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री कपिल ध्वज	उप निरीक्षक	1998

12. राजकीय उच्च विद्यालय -युला किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
	-कोई प्रविष्टि नहीं-		

तहसील निचार ज़िला किन्नौर हि.प्र.-

13. राजकीय उच्च विद्यालय पानवी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री देवा ज्ञालछन	लेखा परीक्षा अधिकारी	1997
2.	श्री अमिद कुमार	वरिष्ठ कर सहायक	1999
3.	श्री संजय	प्रबंधक	2001
4.	श्री प्रभु लाल	वरिष्ठ सहायक	1999
5.	श्री जनमे जय	जे.बी.टी.	1996
6.	श्री गोबिंद सिंह	जे.बी.टी.	1993

14. राजकीय उच्च विद्यालय यांगपा-1 किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	डॉ अविनाश कुमार	चिकित्सक	2000
2.	श्री पृथ्वी राज	वैज्ञानिक	1998
3.	डॉ प्रदीप सिंह	चिकित्सक	2001
4.	श्री हेम राज	प्रबंधक	2002
5.	डॉ श्वेता	चिकित्सक	2010

15. राजकीय उच्च विद्यालय नाथपा किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री संतोष कुमार	सैनिक	1992
2.	श्रीमती रिक्षा देवी	जे.बी.टी.	1996
3.	श्री सुरेश कुमार	वन खंड अधिकारी	1996
4.	श्री जगदीश चंद	शास्त्री	1996
5.	श्री राम पाल	सैनिक	1997
6.	श्री कृष्ण चंद	सैनिक	1997
7.	श्री राम प्रकाश	अधिवक्ता	1999
8.	श्रीमती शीला देवी	प्रवक्ता	2001
9.	श्री देवी लाल	शास्त्री	2003
10.	श्रीरवीन्द्र सिंह	कनिष्ठ अभियंता	2005
11.	श्री गणेश कुमार	सैनिक	2006
12.	श्री अनिल कुमार	मर्चेंटनेवी	2010

16. राजकीय उच्च विद्यालय कंगोस किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री प्रकाश चंद	सहायक आयुक्त (पी.पी.एफ.)	1977
2.	श्री जागृति सैन	आयुक्त (सीमा शुल्क)	1979
3.	श्री जगदीश चन्द्र	सहायक आयुक्त (एन.आई.सी.)	1979
4.	श्री सोम राज सिंह	डी.पी.डी. (कृषि)	1980
5.	श्रीमती धर्मपति	प्रवक्ता	1981
6.	कु. सेना देवी	प्रवक्ता	1981
7.	श्री सतीश कुमार	सह प्राध्यापक	1983
8.	श्री सुशील ध्वज	आदेशक (सी.सु.ब.)	1984
9.	श्री संजीव कुमार	प्रवक्ता	1985
10.	श्री रविन्द्र सिंह	सह प्राध्यापक	1993
11.	श्री राम नारायण	प्रबंधक (यूको बैंक)	1999
12.	श्रीमती मीनाक्षी नेगी	उपाध्यक्षा (ज़िला परिषद्)	2002
13.	श्री अश्वनी कुमार	प्रबंधक (बैंक)	2002
14.	डॉ श्रद्धा देवी	शोधकर्ता	2007
15.	कु. ममता देवी	प्रबंधक	2009

17. राजकीय उच्च विद्यालय -सुंगरा किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री राम नारायण	प्रबंधक (बैंक)	1999
2.	डॉ श्रद्धा	प्रवक्ता	2003
3.	कु. ममता देवी	प्रबंधक (बैंक)	2003

18. राजकीय उच्च विद्यालय बरी किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री प्रमोद नेगी	अभियंता (प्रा.लि.)	2001
2.	श्री प्रमोद मार्या	अभियंता (हि.प्र.लो.नि.वि.)	2003
3.	श्री दीपांकर	अभियंता (हि.प्र.रा.वि.बो.)	2006
4.	डॉ सिद्धांत	चिकित्सक	2007

19. राजकीय उच्च विद्यालय -बड़ा कम्बा किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री राम चंद	केन्द्रीय मुख्याध्यापक	1962
2.	श्री विनय सिंह	प्रधानाचार्य	1974
3.	श्री खेम सिंह	बैंक प्रबंधक	1973
4.	श्री सुनील कुमार	इंस्पेक्टर सीमा सशस्त्र बल	2001

20. राजकीय उच्च विद्यालय चौरा किन्नौर हि.प्र.

क्र.सं.	नाम	पदनाम	वर्ष
1.	श्री देवेन्द्र सिंह नेगी	भाषा अध्यापक	1981
2.	श्री रूप सिंह नेगी	निरीक्षक (नागरिक आपूर्ति)	1981
3.	श्री परमानन्द नेगी	भाषा अध्यापक	1981
4.	श्री बहादुर सिंह	अधीक्षक	1983

समाप्त

संदर्भ ग्रन्थ

***Rafal Beszterda-*The Moravian Brethren and Himalayan Cultures: Evangelisation,Society, Industry*

***John Bray- *Debt, Dependency and the Moravian Mission in Kinnaur, 1865-1924*

***Isrun Engelhardt-*Tharchin's one man war with Mao*

***Natalia Moskaleva-"*What Does Babu Say?",a Pinch of Artistic Approach to News Reporting in The Tibet Mirror (1949-1963)*

***MD Mamgain-*Gazetteer of District Kinnaur*

***District Kinnaur- Census Report 1971, 1981,1991, 2001,2011

***Rahul Sanskrityayan- Kinnara Desh Men

***https://wikipedia.org

https://samagrahshiksha.in

कुछ विद्यालयों के कुछ चयनित संक्षिप्त इतिहास

(इस खंड के सभी लेख संबन्धित विद्यालयों द्वारा लिखित व संपादित है)